



राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस



■ मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्र. 173/15-17

5 महिला टी-20 में भारत का बांग्लादेश पर जीत का चौका

सम्पादकीय

ग्रन्थालय के तहखाने में नोटों की गड़्डी

अडाणी ग्रीन एनर्जी श्रीलंका में दो विंड पावर स्टेशन 5

वर्ष 10 अंक 351

E-mail: dholpur@hotmail.com

फरीदाबाद, बुधवार 08 मई 2024

ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें - www.hindustanexpress.online

मूल्य 2.00 रुपये, पृष्ठ 8

11 राज्यों की 93 लोकसभा सीटों पर हुआ मतदान

महाराष्ट्र में सबसे कम वोटिंग, बिहार-छत्तीसगढ़ में 3 की मौत

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 7 बजे से जारी वोटिंग शाम छह बजे खत्म हो गई है।

चुनाव आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक 63.77 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 73.93 प्रतिशत और सबसे कम महाराष्ट्र में 53.40 प्रतिशत वोटिंग हुई। दोपहर तीन बजे तक 53.60 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 63.11 प्रतिशत वोटिंग हुई और सबसे कम महाराष्ट्र में 42.63 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले थे। बिहार में वोटिंग के दौरान पीटासीन अधिकारी और होमगार्ड जवान की मौत हो गई है। छत्तीसगढ़ के जशपुर में मतदान करने पहुंचे एक



बुजुर्ग वोटर की मौत हो गई। वहीं, पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के भाजपा कैडिडेट और टीएमसी समर्थक के बीच झड़प हुई है। यूपी के संभल में पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। इसमें कुछ लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद स्थित निशान ह्यार सेकेंडरी स्कूल में वोट डाला। उनके साथ गुह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। पीएम मोदी कार से उतरने के बाद अमित शाह के साथ पैदल ही लोगों का अभिवादन करते हुए बूथ तक पहुंचे और मतदान किया।

हमें 400 सीटें चाहिए ताकि मैं कांग्रेस-इंडी की हर साजिश को रोक सकूँ : पीएम मोदी

आर.एन.एस.

खरगौन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर कांग्रेस पर धमकें के नाम पर आश्वासन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक का उदाहरण देकर कांग्रेस और इंडी अलायंस को घेरा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर की पीठ में छुरा घोंपा है। संविधान की पीठ में छुरा घोंपा है। मोदी ने कांग्रेस के सारे वादों इरादों की पीठ खोल दी है।

पीएम मोदी ने मंगलवार को खरगौन और धार में चुनावी सभाएं की। उन्होंने कहा कि मुझे 400 सीटें चाहिए ताकि मैं कांग्रेस और इंडी गठबंधन की हर साजिश को रोक सकूँ। उन्होंने कहा कि जब तक मोदी जिंदा हैं, नकली सेक्स्युलरिज्म के नाम पर भारत की पहचान मिटाने की कोई भी कोशिश मोदी सफल नहीं होने देगा। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना



साधते हुए कहा कि कांग्रेस का पाकिस्तान प्यार चरम पर पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वाले अपनी अपनी विरासत बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इंडी वालों की एक फेबरेट कहावत है। अपना काम बनता... भाड़ में जाए जनता... इस लोकसभा चुनाव में एक महीने के अंदर एमपी का ये 7वां दौरा है। वे एमपी में अब तक 8 जनसभा और 2 रोड शो कर चुके हैं।

मैंने कांग्रेस के दिमाग का एक्सरे किया है

पीएम मोदी ने कहा- शहजादे तो ऐसी चीज लेकर आए हैं कि दुनिया में ऐसा कोई सोच ही नहीं सकता। वो कहते हैं आपकी संपत्ति का एक्सरे करेगा। मैंने कांग्रेस का सबका एक्सरे करके रखा है। उनके दिमाग का एक्सरे किया है।

विशेष संपादकीय

शोपीस नहीं हैं भारत के परमाणु बम

चन्द्रप्रकाश शिवहरे
प्रधान संपादक

कश्मीर की नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारुख अब्दुल्ला ने गत दिवस एक बयान में कहा था कि पाकिस्तान परमाणु सम्पन्न देश है और उसके पास परमाणु बम हैं। पाक के यह बम भारत के ऊपर ही गिरेंगे। निःसंदेह फारुख अब्दुल्ला का यह बयान पाकिस्तान को बढ़ावा देने व भारत को कमतर आंकने की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। फारुख अब्दुल्ला आये दिन अपने बयानों के माध्यम से पाकिस्तान की तारीफ करते रहते हैं। भारत में रहकर पाकिस्तान की तारीफ करना, भारत को हमेशा नीचा दिखाने का कार्य करना इनकी फितरत है। जब उन्होंने यह बयान दिया तब वे भूल गए कि भारत 1974 में परमाणु सम्पन्न देश बन चुका था, जबकि पाकिस्तान 1998 में परमाणु सम्पन्न देश बना है। यदि पाकिस्तान के पास परमाणु शक्ति है तो भारत भी परमाणु शक्ति के मामले में पाकिस्तान से कम नहीं है। भारत ने जो परमाणु बम बनाए हैं उनका उपयोग भी पाक के विरुद्ध हो सकता है। लेकिन भारत इस बात को लेकर वचनबद्ध है कि वह किसी भी देश पर सर्वप्रथम परमाणु हमला नहीं करेगा। लेकिन उसके ऊपर परमाणु हमला हुआ तो भारत पीछे भी नहीं रहेगा। फारुख अब्दुल्ला को मैं यह बताना चाहता हूँ कि भारत ने जो परमाणु बम बनाए हैं वे किसी विवाह समारोह के लिए नहीं बनाए गए हैं। इसके अलावा भारत के पास वो सामरिक ताकत है कि पाकिस्तान उसके सामने कहीं नहीं टिकता। भारत की वायुसेना विश्व की अच्छी हवाई सेना में शुमार होती है। भारत की वायुसेना के पास राफेल जैसे आधुनिक विमान हैं जो किसी भी राडार को आसानी से चकमा दे सकते हैं। इसके साथ ही भारत की जल सेना किसी भी मायने में कम नहीं है। हमारी सेना ने अनेक बार चीन जैसी ताकत को चुनौती दी है। तो पाकिस्तान की बिसात ही क्या है। जहाँ तक थल सेना का प्रश्न है तो थल सेना के सामने पाक की थल सेना कहीं नहीं टिकती। इस बात का सबूत भारतीय थल सेना पाक से हुए युद्धों में कई बार दे चुकी है। 1971 में बांग्लादेश के निर्माण के समय पाकिस्तान के 90 हजार सैनिकों का आत्मसमर्पण इतिहास में दर्ज है। लगता है फारुख अब्दुल्ला इन सभी बातों को या तो अनदेखा कर रहे हैं, या भूल चुके हैं या फिर जान बूझकर अनजान बनने का नाटक कर रहे हैं। वैसे भी पाकिस्तान की हालत वर्तमान में भिखारियों जैसी हो गई है। उसे कोई भी देश आर्थिक मदद देने को तैयार नहीं है। यहाँ तक कि उसका रहनुमा चीन भी अब उससे कन्नौ काटने लगा है। पाकिस्तान के सियासतदान हाथ में भीख का कटोरा लेकर अनेक देशों का दौरा कर चुके हैं, लेकिन सहायता रूपी भीख नहीं मिल रही है। इतना सबकुछ होने के बाद भी फारुख अब्दुल्ला अभी भी पाकिस्तान की रहनुमाई कर रहे हैं, यह समझ से परे है।



ग्वालियर। विधानसभा स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर सपलीक, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल और जिलाध्यक्ष भाजपा अभय चौधरी वोट डालने के बाद प्रसन्न मुद्रा में।



ग्वालियर। केन्द्रीय मंत्री एवं गुना शिवपुरी से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिधिया ने अपने मताधिकार का उपयोग एएमआई शिवु मंदिर पर किया।

गाजा : राफा में टैंक लेकर घुसे इजराइली सैनिक

गाजा सिटी। हमास के सीजफायर समझौते स्वीकार करने के बाद मंगलवार को इजराइल की सेना टैंक लेकर दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में घुस गई। उसने मिस्स से सटी गाजा की सीमा पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइल ने दावा किया है कि इस ऑपरेशन के दौरान उन्होंने 20 हमास लड़ाकों को मार गिराया। सैनिकों को इलाके में हमास की 3 सुरंगें मिली हैं। हमास के साथ जंग में राफा इजराइली सेना के ऑपरेशन का आखिरी पड़ाव है। इजराइल ने इंटीलिजेंस के हवाले से दावा किया था।

शांतिपूर्ण मतदान के लिए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने जताया मतदाताओं का आभार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-ग्वालियर।

लोकसभा चुनाव के लिए तीसरे चरण का मतदान मंगलवार को संपन्न हो गया। ग्वालियर-चंबल अंचल सहित प्रदेश की आठ सीटों पर वोट डाले गए। प्रदेश में मतदान शांतिपूर्ण रहा।

गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना, अशोकनगर, मुंगावली, शिवपुरी सहित पूरे क्षेत्र में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने पर जिला एवं पुलिस प्रशासन को धन्यवाद दिया। साथ ही

उन्होंने अपने मतदाताओं द्वारा तपती



दोपहरी में लोकतंत्र के उत्सव में उत्साह

के साथ भागीदारी निभाने पर उनका हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विश्वास और विकास का था, मुझे उम्मीद ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि मेरे लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने निश्चित तौर पर इन दोनों पर भरोसा जताते हुए लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रख अपने मताधिकार का उपयोग किया होगा। लोकतंत्र के उत्सव में बिना किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से निर्भाई गई उनकी इस भागीदारी के लिए उनका आभारी हूँ।

बंगाल में बारिश से 12 लोगों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हो रही भारी बारिश से 12 लोगों की मौत हो गई। बिजली गिरने से पूर्व बर्धमान में 5 और पश्चिम मेदिनीपुर और पुरुलिया में 2-2 लोगों की मौत हो गई। वहीं नादिया में दीवार ढहने से 2 और साउथ 24 परगना में पेड़ गिरने से 1 शख्स की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण रेल और हवाई यातायात बाधित भी बाधित रहा। पूर्वी रेलवे के सियालदह डिवीजन की सियालदह-कैनिंग लाइन पर तेज हवा के चलते तारों पर पेड़ गिरने से रेल सेवाएं करीब एक घंटे तक प्रभावित रही। वहीं खराब मौसम के कारण कोलकाता की तरफ जाने वाली तीन उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। वहीं कोलकाता से रांची जा रही फ्लाइट तेज हवाओं के चलते उड़ान नहीं भर सकी। मौसम विभाग ने 10 मई तक राज्य में इसी तरह आंधी-तूफान की आशंका जताई है।

सोमवार से हो रही भारी बारिश : कोलकाता समेत राज्य के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई। मंगलवार को भी रुक-रुककर बारिश हो रही है। इससे तापमान में भारी गिरावट देखने को मिले।

हर घर में फिर एक बार संपर्क कर भाजपा को विजयी बनाने जनता का आशीर्वाद :

विजुदत शर्मा

खरगौन। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विजुदत शर्मा ने मंगलवार को खरगौन में खरगौन लोकसभा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को ऐतिहासिक बहुमत से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है, इसके लिए हमें हर बूथ को अच्छे मतों से जीतना है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने और 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी कार्य कर रहे हैं। भाजपा के खरगौन लोकसभा प्रत्याशी श्री गजेन्द्र सिंह पटेल को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता हर मतदाता के घर जाकर एक बार फिर संपर्क करें और मतदान करने की अपील करें। पार्टी प्रत्याशी बड़े अंतर से विजयी हों, इसके लिए कार्यकर्ता अपनी संपूर्ण ताकत चुनाव प्रचार के अंतिम चार दिनों में झोंक दें।

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर: स्वामी अवधेशानंद जी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-हरिद्वार।

श्रीमंत परमहंस, परिाजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- परतन्त्र भारत के नैराश्य भरे कालखण्ड में साहित्यिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना के उन्नायक, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित विश्वविख्यात कवि श्रीमान रबीन्द्रनाथ टैगोर जी की जन्म जयन्ती पर सादर स्मरण। राष्ट्र के समग्र उत्थान हेतु आपके द्वारा किए गए कार्य सदैव स्मरण किए जायेंगे। मनुष्य प्रकृति और परमात्मा के शाश्वत सम्बन्धों को काव्य की कलात्मक अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करने वाले कालजयी-कवि साहित्यकार, दार्शनिक और विचारक राष्ट्रीय गान के रचयिता महान कवि एवं साहित्यकार नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर जी करोड़ों भारतीयों के हृदय में इस तरह रचे-बसे हैं कि उनके विचार व देश के सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए किए गए कार्य आज भी प्रासंगिक हैं। भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं - गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर। वे विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार व महान दार्शनिक भी थे। अपने साहित्य और अपनी कविताओं के माध्यम से, उन्होंने देशवासियों के भीतर राष्ट्रीयता की भावना जागृत की। वे भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगदूध थे। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार सम्मानित व्यक्ति हैं। वे एकमात्र कवि हैं, जिसकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं - भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' और बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांग्ला' गुरुदेव की ही रचनाएँ हैं। गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर एक सच्चे देशभक्त थे। किसी भी देश की वास्तविक पूँजी उसके नागरिकों में ही छिपी होती है। देशवासियों की प्रतिभा और परिश्रम से ही सम्पूर्ण देश प्रकाशित होता है। कुछ लोग तो अपनी प्रतिभा के बल पर किसी देश व समाज की पहचान तक बन जाते हैं। गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर जी ऐसी ही एक दिव्य व्यक्तित्व थे, जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक पहचान को चार चाँद लगाए। उन्होंने अपनी प्रतिभा, मानवतावादी विचारों, कार्यों व लेखनों के माध्यम से दर्शन, साहित्य, संगीत, चित्रकला, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों को नई देन दी, जिसे सदा याद रखा जायेगा। जालियाँवाला बाग हत्याकांड के बाद अंग्रेजी शासन की नृशंस कार्रवाइयों को देखते हुए उन्होंने सर व नाइटहुड आदि उपाधियाँ लौटा दीं। उन्होंने अपनी कविता और अपनी रचनाओं के माध्यम से देशवासियों और देश की समस्याओं को प्रकट किया और देश की चेतना को जागृत किया। वह हमेशा देशवासियों के लिए खड़े

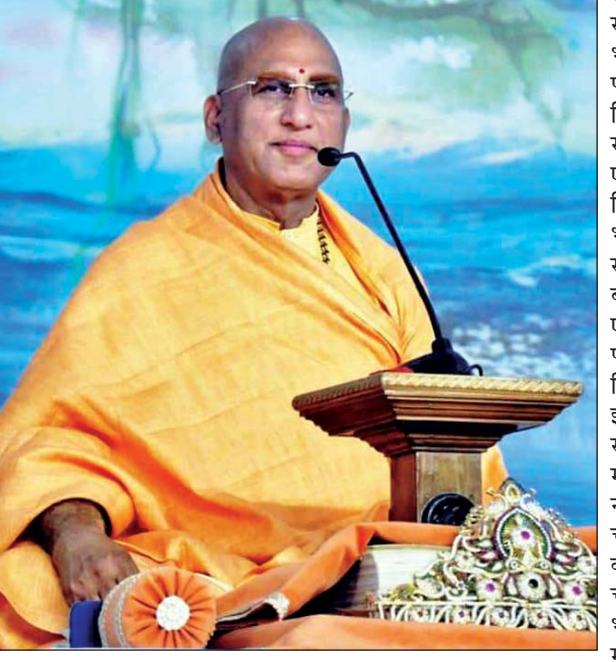
रहे। उनके योगदान को देखते हुए देश की जनता ने उन्हें समान स्वरूप 'गुरुदेव' की उपाधि दी।

स्वामी अवधेशानंद जी ने कहा कि -

गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर जी को बचपन से ही गायन, कविता और चित्रकारी में रुचि थी। साथ ही अध्यात्म

मनुष्य के रूप में विकसित करना भी है। बालकों को प्रकृति के घनिष्ठ सम्पर्क में रखकर शिक्षा देने की व्यवस्था होनी चाहिए, क्योंकि उन्हें प्रकृति के साथ घनिष्ठ सम्पर्क स्थापित करने में आनन्द का अनुभव होता है। विद्यार्थियों को नगरों की अनेकता, भीड़

और गंदगी से दूर प्रकृति के शान्त तथा सायेदार और एकान्त में रहना चाहिए। भारतीय शिक्षा एवं भारतीय विद्यालयों के पाठ्यक्रमों में भारतीय दर्शन के प्रमुख विचारों को स्थान दिया जाना चाहिए। शिक्षा राष्ट्रीय होनी चाहिए एवं उसे भारत के भूत एवं भविष्य का ध्यान रखना चाहिए। सभी विद्यार्थियों को भारतीय विचारधारा एवं भारतीय समाज की पृष्ठभूमि का स्पष्ट रूप से ज्ञान कराया जाना चाहिए। प्रत्येक बालक एवं बालिका में संगीत, चित्रकला एवं अभिनय की योग्यताओं का विधि पूर्वक विकास करना चाहिए। मातृभाषा शिक्षा का माध्यम होनी चाहिए, क्योंकि इसके द्वारा ही सम्पूर्ण राष्ट्र को अच्छे प्रकार से शिक्षित किया जा सकता है। अनन्त मूल्यों की प्राप्ति विदेशी भाषा में सम्भव नहीं है। अतः मातृभाषा का प्रयोग करना चाहिए। शिक्षण पद्धति का आधार जीवन की वास्तविक बातें तथा प्रकृति होनी चाहिए। बालकों को उत्तम मानसिक भोजन प्रदान करना चाहिए, जिससे उनके मस्तिष्क का विकास विचारों के



में भी अगाध स्नेह था। उनकी रचनाधर्मिता विलक्षण थी। आठ वर्ष की उम्र में उन्होंने अपनी पहली कविता लिखी। उन्होंने अपने जीवन काल में कई ऐसी रचनाएँ कीं, जिनसे इनकी पहचान न केवल देश में, बल्कि विदेशों में भी बनी। गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर अंतरराष्ट्रीय भावना के व्यक्ति थे। इन की सबसे अधिक ख्याति साहित्य के क्षेत्र में है। संस्कृत साहित्य में जो स्थान महाकवि कालिदास का है और हिन्दी साहित्य में जो कविकुल चूड़ामणि गोस्वामी तुलसीदास जी का है, वही स्थान बांग्ला साहित्य में रबीन्द्रनाथ टैगोर का है। अन्य क्षेत्रों में भी गुरुदेव का बड़ा योगदान रहा है। देश में समाज सुधार, राष्ट्रीय जागरण और अंतरराष्ट्रीय भावना के विकास के लिए उन्होंने जो कार्य किए हैं, उनके लिए हम इनके चिर श्रेणी रहेंगे। इन्होंने अपने समय की शिक्षा में सुधार के लिए बहुत कार्य किया था। शिक्षा जगत में यह शिक्षा शास्त्री के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इन्होंने अपने समय की अंग्रेजी माध्यम से चलने वाली शिक्षा को अत्यवहारिक बताया और मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा देने पर बल दिया। इन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि शिक्षा और जनसाधारण की भौतिक एवं आध्यात्मिक दोनों प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति होनी चाहिए। शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य बालक की जन्मजात शक्तियों का विकास कर उसके व्यक्तित्व का चतुर्मुखी विकास तथा सर्वांगीण विकास करना होना चाहिए। शिक्षा का कार्य बालकों को अच्छे क्लर्क, निपुण किसान, शिल्पी या वैज्ञानिक भर बना देना नहीं है, बल्कि उन्हें अनुभव की पूर्णता द्वारा पूर्ण

वायुमण्डल में हो। बालक का जन्म प्रकृति एवं मनुष्य दोनों के संघर्ष में होता है। अतः दोनों संस्तर के लिए उनका आकर्षण बनाए रखना चाहिए। विद्यार्थियों के सामाजिक आदर्शों, परम्पराओं, प्रथाओं और रीति-रिवाजों को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाना चाहिए। बालकों को इस प्रकार की शिक्षा दी जाए जो उन्हें अध्यात्मवाद की ओर अप्रसर होने का अवसर प्रदान करे। शिक्षा द्वारा बालकों में उच्च कोटि की धार्मिक भावना जागृत की जानी चाहिए, जिससे उनमें मानवता का कल्याण करने की क्षमता का विकास हो। शिक्षा द्वारा बालकों को सत्यम्, श्रम, सुन्दरम् ऐसे मूल्यों पर साक्षात्कार करना चाहिए। विभिन्न विज्ञानों का अध्ययन देश में अपनी नींव तभी जमा सकता है, जबकि ज्ञान साधारण को उनका ज्ञान हो जाए। किन्तु यह तभी सम्भव है जब उसकी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा दी जाए। भारत में जनसाधारण को तभी शिक्षित किया जा सकता है, जबकि धार्मिक स्कूलों को पुनः जीवित किया जाये। शिक्षा को गतिशील एवं सजीव तभी बनाया जा सकता है, जबकि इसका आधार व्यक्त हो और समुदाय के जीवन में उसका घनिष्ठ सम्बन्ध हो। भारत में शिक्षा की कोई भी सच्ची तथा लाभप्रद शिक्षा प्रणाली विदेशी मूल्यों की नकल पर आधारित नहीं की जा सकती। राष्ट्रीय शिक्षा का तात्पर्य उच्च शिक्षा से है, जिसका राष्ट्र के जीवन में घनिष्ठ सम्बन्ध हो। भारत में शिक्षा को सचि तभी मूल्यों, परम्पराओं, प्रथाओं, प्रिय आदर्शों से स्वाभाविक रूप से विकसित हो।

शेखर सुमन और पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा भाजपा में शामिल

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे फेज के चुनाव के दौरान मंगलवार को एक्टर शेखर सुमन और कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी महासचिव विनोद तावड़े और प्रवक्ता अनिल बलून की मौजूदगी में दोनों ने सदस्यता ली। शेखर सुमन बिहार की पटना साहिब सीट से भाजपा के सांसद रहे फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के खिलाफ कांग्रेस के टिकट पर 2009 में चुनाव लड़ चुके हैं। शेखर सुमन ने कहा कि मुझे कल तक नहीं पता था कि मैं क्या



करूँ, भगवान का आदेश आया और मैं आज भाजपा में शामिल हो गया। वहीं राधिका खेड़ा ने एक दिन पहले ही कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। वे छत्तीसगढ़ की प्रभारी थीं। वहां स्थानीय नेताओं से विवाद के बाद उनका एक रोते हुए वीडियो सामने आया था। खेड़ा ने छत्तीसगढ़ के कांग्रेस प्रवक्ता पर दुर्व्यवहार करने और एक मीटिंग के दौरान शराब ऑफर करने का आरोप लगाया था।

न्यायाधीशों, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ नागरिकों ने किया मतदान



जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका सिंह चौहान, में सप्लीक न्यायाधीश आनंद पाठक, संभागायुक्त डा. सुदामा खाड़े और पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, उपजिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन सपरिवार और निगमायुक्त हर्ष सिंह मतदान के बाद सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचाते हुये।



जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका सिंह चौहान, में सप्लीक न्यायाधीश आनंद पाठक, संभागायुक्त डा. सुदामा खाड़े और पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, उपजिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन सपरिवार और निगमायुक्त हर्ष सिंह मतदान के बाद सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचाते हुये।



जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका सिंह चौहान, में सप्लीक न्यायाधीश आनंद पाठक, संभागायुक्त डा. सुदामा खाड़े और पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, उपजिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन सपरिवार और निगमायुक्त हर्ष सिंह मतदान के बाद सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचाते हुये।



जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका सिंह चौहान, में सप्लीक न्यायाधीश आनंद पाठक, संभागायुक्त डा. सुदामा खाड़े और पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, उपजिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन सपरिवार और निगमायुक्त हर्ष सिंह मतदान के बाद सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचाते हुये।



जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका सिंह चौहान, में सप्लीक न्यायाधीश आनंद पाठक, संभागायुक्त डा. सुदामा खाड़े और पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, उपजिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन सपरिवार और निगमायुक्त हर्ष सिंह मतदान के बाद सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचाते हुये।



जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका सिंह चौहान, में सप्लीक न्यायाधीश आनंद पाठक, संभागायुक्त डा. सुदामा खाड़े और पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, उपजिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन सपरिवार और निगमायुक्त हर्ष सिंह मतदान के बाद सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचाते हुये।

ग्वालियर। मंगलवार को वरिष्ठ मतदाता, पहली बार मतदान करने वाले युवा, महिला व दिव्यांगजन उत्साहपूर्वक अपने मतदाधिकार का प्रयोग करने पहुंचे। उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के माननीय न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने सप्लीक केन्द्रीय विद्यालय क्र.-1 में बने मतदान केन्द्र पर पहुंचकर अपने मतदाधिकार का उपयोग किया। इसी तरह उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशगण सपरिवार मतदान करने पहुंचे। प्रशासनिक

न्यायाधिपति रोहित आर्या ने सप्लीक मतदान केन्द्र पहुंचकर अपने-अपने वोट डाले। संभागायुक्त डॉ. सुदामा खाड़े ने पुराने रेस्ट हाउस मतदान केन्द्र पहुंचकर अपने मतदाधिकार का उपयोग किया। इसी तरह पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना ने सपरिवार पुराने रेस्ट हाउस मतदान केन्द्र पर वोट डाले। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने केन्द्रीय विद्यालय क्र.-1 मतदान केन्द्र पर ईवीएम का बटन दबाकर अपने मतदाधिकार का उपयोग किया। पुलिस अधीक्षक

लकी डा से मतदाताओं को मिले उपहार

मतदान के जरिए अपने सवैधानिक अधिकारों का उपयोग करने पहुंचे



ग्वालियर जिले के मतदाताओं को उपहार भी मिले। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर जिले के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर लकी डा बॉक्स रखे गए थे। इन बॉक्स में जिन मतदाताओं ने वोट डालने के बाद अपना नाम व मोबाइल फोन नंबर लिखकर पंजीयों डाली हैं, उनकी पंजीयों में से दोपहर व सायंकाल में लकी डा निकाले गए। जिन मतदाताओं के लकी कूपन निकले, उन्हें बाल भवन में पुरस्कृत किया गया।

धर्मवीर सिंह ने पुराने रेस्ट हाउस मतदान केन्द्र पर वोट डाला। नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने केन्द्रीय विद्यालय नं.-1 में अपना वोट डाला। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार ने सप्लीक और उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन ने सपरिवार अपने मतदाधिकार का उपयोग किया।

मतदान शुरू होने से पहले ही लगी कतारें लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी के प्रति मतदाताओं में इस बार विशेष उत्साह देखने को मिला।

लोकतंत्र के महापर्व में संत-महंतों की भी आहुति



लोकतंत्र के महापर्व में संत-महंतजन भी मतदान के माध्यम से अपनी आहुति देने पहुंचे। महंत विष्णुदास ने अकाशवाणी केन्द्र के समीप स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 में बने मतदान केन्द्र क्रमांक-124 में पहुंचकर अपने मतदाधिकार का उपयोग किया। इसी तरह विभिन्न धर्मों के संतजनों, ब्रह्म और गणमान्य नागरिकों ने भी अपने मतदाधिकार का उपयोग किया।

मंगलवार को मतदान शुरू होने से पहले ही कई मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें देखी गईं। ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के नयापुरा, तारागंज, अवाड़पुरा तथा ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत संत रविदास आश्रम, कबीर आश्रम, बालक उमावि., विधानसभा क्षेत्र भितरवार के अंतर्गत ग्राम भेंगना व शासकीय प्राथमिक विद्यालय बेला, बासोडी व रिछारीकला सहित जिले के अन्य मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही लोग सारे काम छोड़कर वोट डालने पहुंच गए।

शांतिपूर्ण मतदान के लिये जिला निर्वाचन अधिकारी ने जताया आभार

ग्वालियर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका



चौहान ने जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न होने पर जिले के सभी मतदाताओं, राजनैतिक दलों व सभी प्रत्याशियों एवं जिले के प्रबुद्धजन, सामाजिक व सेवाभावी संगठनों के प्रति आभार जताया है। साथ ही सभी मतदान दलों व सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित मतदान प्रक्रिया से जुड़े सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों, सुरक्षा प्रबंध में लगे केन्द्रीय सुरक्षा बल, एएसएफ व जिला पुलिस बल के अधिकारियों-जवानों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि सभी के साझा प्रयासों और सहयोग से ही जिले में शांतिपूर्ण, निर्विघ्न एवं निष्पक्ष मतदान सम्पन्न हो सका है।

पेड़ न्यूज रोक कमेटी के सदस्य विनय अग्रवाल ने सपरिवार किया मतदान



ग्वालियर। लोकसभा निर्वाचन 2024 की एमसीएमसी कमेटी के सदस्य विनय अग्रवाल ने भी सपरिवार पहुंचकर मतदान किया। उनके साथ उनकी पत्नी रश्मि अग्रवाल जिला उपाध्यक्ष भारत स्काउट गाइड, पुत्र आर्युष अग्रवाल, पुत्रवधु श्रिया अग्रवाल व पुत्री ऐश्वर्या अग्रवाल ने भी मतदाधिकार का उपयोग किया।

पुरानी रंजिश पर मारपीट कर की फयरिंग, सात पर मामला दर्ज

ग्वालियर। ढाबे से खाना खाकर घर जा रहे दो युवकों को आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने घेरा और मारपीट कर फयरिंग कर दी। घटना बिजौली थाना क्षेत्र के सरसपुरा की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बिजौली थाना क्षेत्र के पारसेन निवासी राजकुमार पुत्र सूरज भान सिंह गुर्जर बीते रोज अपने दोस्त बिजेन्द्र सिंह के साथ मामा ढाबा से खाना खाकर बुलंद बाइक से अपने घर जा रहा था। अभी वह सरसपुरा मोड़ पर पहुंचा ही था कि तभी उसका रास्ता उनके गांव में रहने वाले संजीव गुर्जर, रामबरन गुर्जर, मंथा गुर्जर, पूरन गुर्जर व तीन अज्ञात ने रास्ता रोका और उनकी मारपीट करना शुरू कर दिया। वहां से निकल रहे लोग बीच-बचाव करने आए तो आरोपियों ने फयरिंग कर इसके बाद हमलावरों ने उन्हें पीट-पीटकर अंधमारा कर भाग गये। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराकर आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पति व पति की महिला मित्र ने महिला को पीटा

ग्वालियर। पति के बाहर जाने पर पत्नी ने रोकटोक की तो पति व उसकी महिला मित्र ने महिला की मारपीट कर दी। घटना हजीरा थाना क्षेत्र के बिरला नगर की है। घटना का शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। हजीरा थाना क्षेत्र के बिरला नगर निवासी 46 वर्षीय मीना पत्नी राजेन्द्र सिंह ने शिकायत की है कि बीते रोज उसका पति बाहर जा रहा था तो उसने रोक-टोक की। इसके बाद भी पति घर से चला गया और कुछ देर बाद उनकी महिला मित्र उमा का कॉल उसके मोबाइल पर आया और उमा ने शिकायत की वह अपने पति से उसके बारे में गलत बात क्यो कहती है। इसके बाद पति राजेन्द्र और उमा घर आए और उसकी मारपीट कर दी। मामले का पता चलते ही परिजन वहां पर पहुंचे और बीच बचाव कराया। घटना की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की।

मतदाताओं को चिड़ियाघर, फिश एक्वेरियम और वोट क्लब पर मिला डिस्काउंट

ग्वालियर। लोकसभा निर्वाचन में अधिक से अधिक संख्या में लोग अपने मतदान का उपयोग करें। इसके लिए जिला प्रशासन और नगर निगम ने काफी प्रयास किए हैं। इन्हीं प्रयास के तहत मतदान करने के बाद उंगली पर स्याही का निशान दिखने वाले लोगों को चिड़ियाघर, फिश एक्वेरियम और वोट क्लब पर टिकट में 50 परसेंट का डिस्काउंट दिया गया। चिड़ियाघर में 300 लोगों ने इस ऑफर का लाभ उठाया।

लोकसभा निर्वाचन 2024 में ग्वालियर लोकसभा सीट पर अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए नगर



निगम द्वारा और जिला प्रशासन के कई नई पहल भी की गई। इन्हीं नई पहल में एक पहल चिड़ियाघर, फिश

पत्नी से हुये विवाद के बाद पेड़ से लटककर दी जान

ग्वालियर। पत्नी से विवाद के बाद युवक अपने घर पहुंचा और पेड़ पर फंसी लगाकर जान दे दी। घटना पुरानी छवनी थाना क्षेत्र के बरौआ गांव की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिये भिजवाकर मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुरानी छवनी निवासी छोट्टे उर्फ हरिकृष्ण माहौर पुत्र रतन सिंह माहौर ने फंसी लगाकर जान दे दी। हरिकृष्ण के बारे में बताया गया है कि वह प्राइवेट जॉब करता है और कुछ समय से अपनी पत्नी के साथ मालनपुर में रह रहा है। दो दिन से छोट्टे और उनकी पत्नी में विवाद हो रहा था। इसका पता जब छोट्टे के बड़े भाई को चला तो वह छोट्टे को लेकर अपने घर पुरानी छवनी आ गया था। यहां पर आते ही छोट्टे ने मां के बारे में पूछ तो परिजनों ने बताया कि वह खेत पर गई है। इसका पता चलते ही वह मां से मिलने की बोलकर निकला था। उसके घर से जाने के कुछ ही देर बाद गांव के कुछ युवक आए

साड़ी का फंदा बनाया और लगाई फंसी

माधोगंज थाना क्षेत्र के कंकाली माता मंदिर के पास एक युवक ने फंसी लगाकर जान दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार माधोगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले देवेन्द्र सिंह उर्फ मुन्नू जाटव पुत्र बाबू सिंह जाटव ने साड़ी का फंदा बनाकर फंसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है। विस्तार पता नहीं चला है कि किस कारण के चलते उसने फंसी लगाकर जान दे दी है।

फयरिंग कर दहशत फैलाने वाले दस-दस हजार के दो इनामी पकड़े

ग्वालियर। गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के पिण्टो पार्क इलाके में ताबड़तोड़ फयरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो दस-दस हजार रुपए के इनामी बदमाशों को मंगलवार की सुबह पुलिस ने दबोच लिया है। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों को हिरासत में लेकर उनके अन्य साथियों के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है। एएसपी क्राइम शियाज केएम ने बताया कि गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के पिण्टो पार्क इलाका निवासी सौरभ सिंह तोमर के घर पर आधा दर्जन बदमाशों ने बीते दिनों ताबड़तोड़ फयरिंग की थी। फयरिंग से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। फयरिंग करने वाले बदमाशों के

एक्वेरियम और वोट क्लब पर सेलानियों द्वारा खरीदे जाने वाले टिकट पर 50 परसेंट की छूट देना भी शामिल रहा। चिड़ियाघर में आने वाले 900 सैलानियों से टिकट काउंटर पर उंगली का निशान दिखाने को कहा गया तो सैलानी भी चौंक गए। क्योंकि जिन 300 लोगों की उंगली पर मतदान वाली स्याही का निशान था, उन्हें 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई। इसी प्रकार फिश एक्वेरियम और वोट क्लब पर भी सैलानियों को 50 प्रतिशत की छूट दी गई। लोगों ने उत्साह से इस ऑफर का लाभ उठाया।

मतदान के दौरान गड़बड़ी रोकने के लिये सक्रिय रहा पुलिस और प्रशासन

ग्वालियर। लोकसभा चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी ना हो इसे रोकने के लिए मंगलवार को सुबह से ही मतदान केन्द्र पर पुलिस जवान व अप्सर तैनात हो गये थे। इसके साथ ही पुलिस और प्रशासन के अफसर भी मतदान केन्द्रों का सुबह से ही निरीक्षण करते रहे। मतदान के दौरान पुलिस और प्रशासन का एक्शन पूरे दिन दिखा। जो मोबाइल पाटी बनाई गई थी वे बिना रूके लगातार भ्रमण कर अपनी मौजूदगी का अहसास कराती नजर आईं।

मंगलवार को मतदान के दौरान जिले के सभी थानों से चार-चार मोबाइल निकाली गई थीं, जो लगातार अपने-अपने इलाके में स्थित पोलिंग बूथ के साथ ही सड़कों पर निगरानी कर रही थीं। इस दौरान पोलिंग बूथ पर निर्धारित दूरी के अंदर जो भी भीड़ दिखी, उसे उन्होंने खदेड़ दिया। अधिकतर मतदान केन्द्रों पर प्रत्याशी

मतदान की गोपनीयता भंग करने पर दो मतदाताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज

ग्वालियर। मतदान की गोपनीयता भंग करना ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के दो मतदाताओं को भारी पड़ा है। इन दोनों के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के रिटनिंग अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र.-82 शासकीय प्राथमिक विद्यालय भवन डीआरपी लाइन में एक मतदाता गिरांज सिंह उर्फ रिकू परमार ने फेसबुक पर एक वीडियो अपलोड किया जिसमें वह मतदान प्रक्रोध की अंदर मतदान करते हुए दिखाई दे रहा था। इससे मतदान की गोपनीयता भंग

हुई है। मतदान की गोपनीयता भंग करने के अपराध में रिकू परमार के खिलाफ पुलिस थाना बहोड़ापुर में संबंधित सेक्टर ऑफिसर द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसी तरह शिवपुरी जिले के पोहरी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र.-126 बेहटा में एक मतदाता होकम वर्मा पुत्र रामकुमार वर्मा द्वारा मतदान करते हुए ईवीएम मशीन का वीडियो बना लिया था। साथ ही इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपलोड कर दिया। जिससे मतदान की गोपनीयता भंग हुई। मतदाता होकम वर्मा के खिलाफ पुलिस थाना पोहरी में मतदान की गोपनीयता भंग करने के अपराध में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

के पक्ष में क्रांस चेक करने के लिए एजेन्ट मोबाइल अपने साथ लेकर अपने मत का उपयोग करने के लिए



बैठे थे, जब पुलिस अफसरों को इसका पता चला तो उनके मोबाइल बाहर करवाए, साथ ही सभी पोलिंग बूथ में तैनात पुलिस अफसरों को निर्देशित कर सभी एजेन्ट की जांच कराई और जिनके पास भी मोबाइल थे, उन्हें बाहर करने के निर्देश दिए। जिसके बाद सभी

सैनिक बल तैनात किए थे। मतदान के दौरान सर्किल के हिसाब से एएसपी और सीएसपी अपने बल के साथ लगातार मॉनिटरिंग करते रहे, साथ ही थाना क्षेत्र में तैनात मोबाइल की हर दस मिनट में लोकेशन लेकर उन्हें भी निर्देश देते रहे, जिससे मतदान के दौरान हर जगह पुलिस ही पुलिस नजर आई। वहीं पुलिस कप्तान धर्मवीर सिंह तथा कलेक्टर रुचिका सिंह चौहान ने भी लगातार मतदान केन्द्रों पर नजर बनाये रखी और जहां पर भी विवाद जैसे हालात बनते नजर आए, तब वहां पर पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि वहां पर स्थिति ना बिगड़ने पाए।

इसके साथ ही दो थाना प्रभारी कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी से पूरे शहर की निगरानी कर रहे थे, जिससे कहीं कोई गड़बड़ी हो तो तुरंत नजर रखी जा सके। पुलिस और प्रशासन की सक्रियता के चलते मतदान के दौरान जिले में कोई भी अप्रिय घटना नहीं घटी।

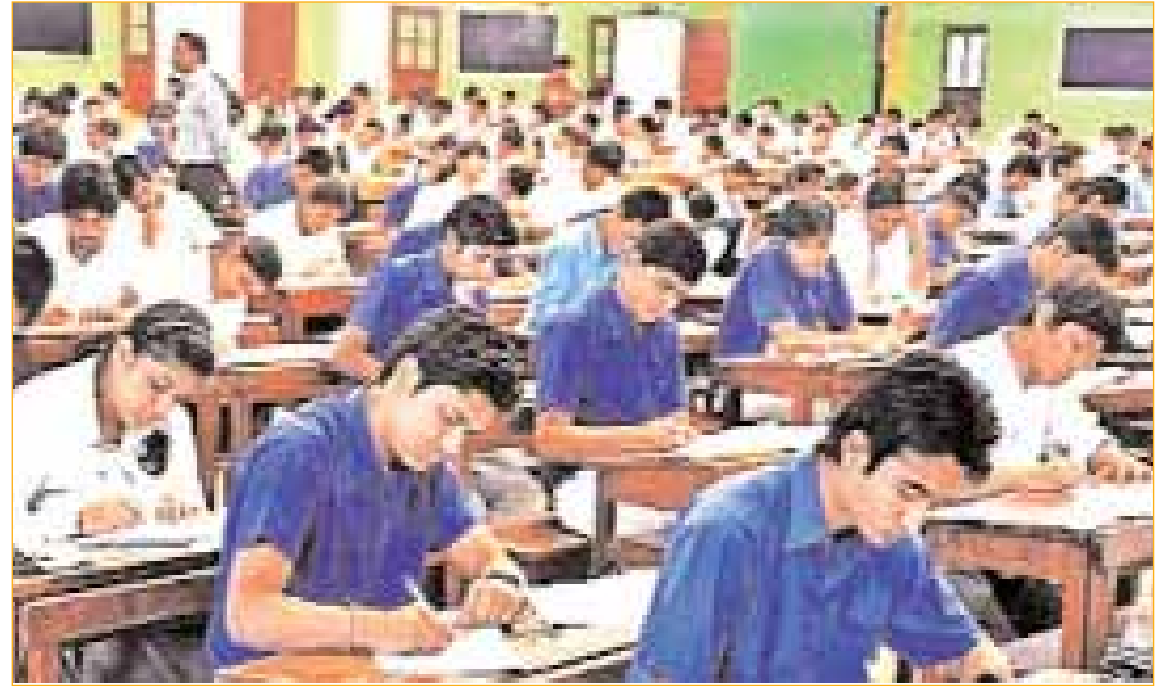
महिला से दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी पकड़ा

ग्वालियर। आधी रात को घर में घुसकर एक मनचले ने महिला से दुष्कर्म का प्रयास किया। घटना बिजौली थाना क्षेत्र के रशीदपुर में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब साढ़े 11 बजे की है। घटना का शिकार पीडिता ने शोर मचाया तो पति उसकी मदद को आया तो आरोपी पति और पत्नी की मारपीट कर फरार हो गया। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर आरोपी को दबोच लिया है। बिजौली थाना क्षेत्र के रशीदपुर निवासी 32 वर्षीय महिला ने शिकायत की है कि बीती रात नौ बजे खाना खाने के बाद वह सो गई थी और रात करीब साढ़े 11 बजे उसे मवेशियों का आवाज आई तो वह बाहर आई तो

शुक्रवार को सौरभ तोमर के घर पर दोनों पक्ष राजीनामा की बातचीत के लिए एकत्रित हुए थे और यहां पर संजीव, दिनेश सिंह ने अपने साथियों के साथ दनादन फयरिंग कर दी। फयरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक आरोपी वहां से भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। इस मामले में एएसपी धर्मवीर सिंह का कहना है कि गोला का मंदिर इलाके में फयरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो आरोपी पकड़े गए हैं, इन पर दस-दस हजार रुपए का इनाम घोषित था। शेष आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

देखा तभी एक युवक ने उसका हाथ पकड़ कर उसे पटक लिया और गलत काम करने का प्रयास किया, उसने शोर मचाने का प्रयास किया तो आरोपी ने उसका मुंह दबा लिया और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी उसके गांव में रहने वाला सुजान सिंह पुत्र उमैद कुशवाह था। किसी तरह खुद को बचाकर पीडिता ने शोर मचाया तो उसकी आवाज सुनकर उसका पति वहां पर आया तो आरोपी ने पति व पत्नी की मारपीट कर भाग गया। जब आरोपी भागने के बाद पीडिता ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दुनिया मेरे आगे : अंक नहीं जीवन, नंबर से नहीं, संकल्प से बनते हैं कैरियर



सबसे अक्ल आएँ। वहीं स्कूलों में भी बच्चों पर दबाव बनाया जाता है। ऐसे में स्कूल की कक्षाओं के अलावा ट्यूशन, कोचिंग, परीक्षा के तनाव और बोझ के साथ इंटरनेट, टीवी के चक्रव्यूह में फंसे बच्चे दिग्भ्रमित हो जाते हैं। जबकि पढ़ाई के बाद बेहतर भविष्य बनाने के लिहाज से देखें तो उसमें अंकों के निर्धारण का कोई आकलन नहीं होता है। बढ़ती महत्वाकांक्षा के चलते बच्चे तीन घंटे की परीक्षा में पूरे साल की पढ़ाई का, अपनी योग्यता का सही प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। इस स्थिति की जटिलता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कहां एक समूचा व्यक्ति बनने के लिए बच्चे अपना जीवन-सफर शुरू करते हैं और फंस जाते हैं ज्यादा से ज्यादा नंबर लाने और समझना केंद्रित कर लेते हैं। इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव तो सामने आने ही हैं। देखा जाए तो आज के स्कूली शिक्षा के समूचे ढांचे में पढ़ाई से लेकर परीक्षा और नतीजे के बीच दिखावे की संस्कृति में बच्चों के अभिभावक ही ज्यादा जिम्मेदार नजर आते हैं, जो अपनी अधूरी महत्वाकांक्षाओं की भूख की वजह से बच्चों पर दबाव बनाते हैं कि वे नब्बे या सौ फीसद अंक नहीं लाएँ।

तमाम आंकड़े दर्शाते हैं कि आज के बच्चे किस तरह की महत्वाकांक्षा के शिकार हो गए हैं। उनके सपने बड़े हैं और उनके पूरे न होने पर वे मौत को गले लगाने में भी नहीं चूकते। सवाल है कि उनको समाज या स्कूल के स्तर पर इस तरह की सोच को गले लगाने की 'सीख' कहां से मिलती है? पढ़ें सुधा रानी तैलंग के विचार। इस वर्ष एक बार फिर बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे सुर्खियों में रहे। इसमें अच्छी और सुहानी लगने वाली बातों के समांतर अंकों और 'रैंक' को ही जीवन का सब कुछ समझने वाली आज की पीढ़ी के बीच से परीक्षा में असफलता के भय होने, ग्रेड या रैंक कम आने, अपने आपको माता-पिता और शिक्षकों की आशा के अनुरूप खरा साबित न होने पर आत्महत्या किए जाने की खबरें भी आईं। यह निश्चित ही बेहद चिंता का विषय है। परीक्षाओं के नतीजे आने के बाद बच्चों के बीच से आत्महत्या की घटनाएँ आमतौर पर हर वर्ष देखने में आती हैं, पर इसका कुछ समाधान अभिभावक, शिक्षक और प्रशासन निकाल नहीं पाते हैं और न ही ऐसी स्थिति बनाई जाती है कि आज के बच्चे इस पर विचार करें कि कामयाबी अगर अच्छा है तो कम अंक या नाकामी खुद को बेहतर करने और अगली कामयाबी का रास्ता है। बच्चों को यह क्यों नहीं समझाया जा सकता है कि क्या जीवन का लक्ष्य केवल परीक्षा ही पास करना है! अगर अंक कम आ गए या नतीजे खराब रहे तो जीवन तो खत्म नहीं हो जाता। जीवन के मुकाम कुछ और करके भी हासिल किए जा सकते हैं। अगर भविष्य मानो स्कूली परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा अंकों के दायरे में ही कैद कर दिया जाता है और अभिभावक से लेकर विद्यार्थी तक इसी चक्र में अपना सोचना-समझना केंद्रित कर लेते हैं। इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव तो सामने आने ही हैं। देखा जाए तो आज के स्कूली शिक्षा के समूचे ढांचे में पढ़ाई से लेकर परीक्षा और नतीजे के बीच दिखावे की संस्कृति में बच्चों के अभिभावक ही ज्यादा जिम्मेदार नजर आते हैं, जो अपनी अधूरी महत्वाकांक्षाओं की भूख की वजह से बच्चों पर दबाव बनाते हैं कि वे नब्बे या सौ फीसद अंक नहीं लाएँ।

संपादकीय भ्रष्टाचार के तहखाने में नोटों की गड़्डी



क्या वजह है कि काले धन पर काबू पाने के लिए बनाए गए कायदे-कानून को लेकर सख्ती के दावों के बावजूद भ्रष्ट आचरण में लिप्त नेता या अफसर को कई-कई करोड़ रुपए नगद अपने घरों में छिपा कर रखने में कोई खौफ नहीं होता? लंबे समय से देश भर में काले धन के खिलाफ अभियान चल रहा है। जांच एजेंसियां लगातार सक्रिय हैं। मगर तमाम कवायदों के बावजूद इस समस्या से पार पाना बड़ी चुनौती बनी हुई है। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने झारखंड की राजधानी रांची में राज्य सरकार में मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के घरेलू सहायक के घर छापेमारी की, जिसमें पैंतीस करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी बरामद हुई। खबर के मुताबिक, यह छापेमारी झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता से जुड़े मामले में हुई है, जिसे ईडी ने पिछले वर्ष धनशोधन के मामले में गिरफ्तार किया था। धनशोधन का सिरा मंत्री के निजी सचिव और उसके घरेलू सहायक से भी जुड़ा हुआ था, इसलिए ईडी ने उसे जांच और कार्रवाई के दायरे में लिया। सवाल है कि इतनी बड़ी रकम काले धन के रूप में किसी के घर में पड़ी थी, तो इस तरह का भ्रष्टाचार बिना किसी उच्च स्तरीय संरक्षण के चलना कैसे संभव है!

सवाल यह भी है कि भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ अभियान चलाने और इसके खत्म के लिए हर स्तर पर कार्रवाई करते हुए पिछले आठ-वर्षों में जितने वादे और दावे किए गए, उसके मुकाबले कामयाबी कहां दिखती है! आखिर क्या वजह है कि हर कुछ दिनों बाद किसी नेता या अधिकारी के घर या दफ्तर में छापे मारे जाते हैं, वहां से करोड़ों रुपए नगद बरामद होते हैं? समझना मुश्किल है कि जांच एजेंसियों की सघन कार्रवाइयों के बीच दीवार फोड़ कर कहां से इतनी भारी मात्रा में नगदी निकल आती है? क्या वजह है कि काले धन पर काबू पाने के लिए बनाए गए कायदे-कानून को लेकर सख्ती के दावों के बावजूद भ्रष्ट आचरण में लिप्त नेता या अफसर को कई-कई करोड़ रुपए नगद अपने घरों में छिपा कर रखने में कोई खौफ नहीं होता? कहा जा सकता है कि सरकारी एजेंसियां भ्रष्टाचार और काले धन की समस्या को खत्म करने को लेकर सक्रिय हैं। मगर यह भी सच है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ने और संबंधित महकमों या एजेंसियों की अति-सक्रियता के बावजूद इस समस्या पर काबू पाना आज भी मुश्किल साबित हो रहा है।

इस वर्ष एक बार फिर बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे सुर्खियों में रहे। इसमें अच्छी और सुहानी लगने वाली बातों के समांतर अंकों और 'रैंक' को ही जीवन का सब कुछ समझने वाली आज की पीढ़ी के बीच से परीक्षा में असफलता के भय होने, ग्रेड या रैंक कम आने, अपने आपको माता-पिता और शिक्षकों की आशा के अनुरूप खरा साबित न होने पर आत्महत्या किए जाने की खबरें भी आईं। यह निश्चित ही बेहद चिंता का विषय है। परीक्षाओं के नतीजे आने के बाद बच्चों के बीच से आत्महत्या की घटनाएँ आमतौर पर हर वर्ष देखने में आती हैं, पर इसका कुछ समाधान अभिभावक, शिक्षक और प्रशासन निकाल नहीं पाते हैं और न ही ऐसी स्थिति बनाई जाती है कि आज के बच्चे इस पर विचार करें कि कामयाबी अगर अच्छा है तो कम अंक या नाकामी खुद को बेहतर करने और अगली कामयाबी का रास्ता है।

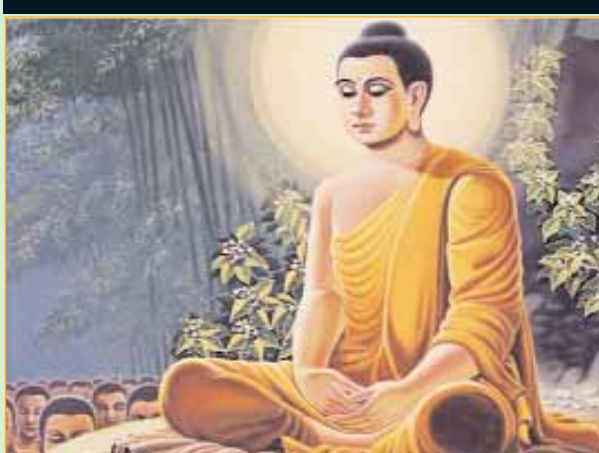
इस वर्ष एक बार फिर बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे सुर्खियों में रहे। इसमें अच्छी और सुहानी लगने वाली बातों के समांतर अंकों और 'रैंक' को ही जीवन का सब कुछ समझने वाली आज की पीढ़ी के बीच से परीक्षा में असफलता के भय होने, ग्रेड या रैंक कम आने, अपने आपको माता-पिता और शिक्षकों की आशा के अनुरूप खरा साबित न होने पर आत्महत्या किए जाने की खबरें भी आईं। यह निश्चित ही बेहद चिंता का विषय है। परीक्षाओं के नतीजे आने के बाद बच्चों के बीच से आत्महत्या की घटनाएँ आमतौर पर हर वर्ष देखने में आती हैं, पर इसका कुछ समाधान अभिभावक, शिक्षक और प्रशासन निकाल नहीं पाते हैं और न ही ऐसी स्थिति बनाई जाती है कि आज के बच्चे इस पर विचार करें कि कामयाबी अगर अच्छा है तो कम अंक या नाकामी खुद को बेहतर करने और अगली कामयाबी का रास्ता है।

किसी मनुष्य में सत्य को खोजने की लालसा ऐसी चीज नहीं है, जिसे लोगों को सिखाया गया है, मानव बुद्धिमत्ता के लिए सर्वोच्च को खोजना स्वाभाविक बात है। गौतम बुद्ध ने एक बौद्ध भिक्षु को यह सीख देने के लिए एक वेश्या के पास भेज दिया था। गौतम बुद्ध अपने दौर में लगातार यात्रा करते रहते थे, और आम तौर पर उनके शिष्यों का एक बड़ा दल उनके साथ रहता था। रास्ते में, आम तौर पर भिक्षु कई घरों में आश्रय लिया करते थे। गौतम ने उनके लिए एक नियम बनाया था कि उन्हें किसी स्थान पर दो दिन से ज्यादा नहीं रुकना चाहिए ताकि मेजबानों पर ज्यादा बोझ न पड़े। अन्यथा, दस लोगों को एक महीने तक घर में टिकाना ज्यादातर घरों के लिए बहुत कठिन होगा। यह बस एक दिन भी हो सकता है, लेकिन दो दिन की

अनुमति थी क्योंकि वे लंबी दूरी चल रहे होंगे और सुस्ताने के लिए उन्हें थोड़ा समय चाहिए। हालांकि, गौतम ने कहा कि मानसून के समय वे एक जगह पर दो से ढाई महीने रुक सकते हैं, क्योंकि उस समय जंगल से होकर चलना जोखिम भरा हो सकता है और कई लोगों की जान जा सकती है। तो, वे एक बड़े नगर में रुकते थे और कई घरों में आश्रय लेते थे। मानसून के एक मौसम में, भिक्षु किसी नगर में लोगों से भिक्षा लेने के लिए बाहर गए। आनंद, जो भिक्षु बनने से पहले गौतम का बड़ा चचेरा भाई था, बाहर गया और उसने नगर में एक वेश्या से भिक्षा प्राप्त की। वेश्या ने उस पर नजर डाली और कहा, 'वह एक सुंदर लंबा और सीधा युवक था - मैंने सुना है कि भिक्षु आश्रय की तलाश में हैं। तुम आकर मेरे घर में क्यों नहीं रहते?' आनंद ने कहा

कि उसे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उसे बुद्ध से पूछना चाहिए कि उसे कहां रहना चाहिए। औरत ने उसे ताना मारते हुए कहा, 'ओह, तुम अपने गुरु से पूछने जा रहे हो? जाकर उनसे पूछें। देखते हैं कि वे क्या कहते हैं। आनंद ने दिन में जो कुछ इकट्ठा किया था उसे लाकर गौतम के चरणों में रख दिया और फिर पूछा, 'इस स्त्री ने मुझे आमंत्रित किया है। क्या मैं वहां रह सकता हूँ?' गौतम ने कहा, 'अगर वह तुम्हें इतने खेद से आमंत्रित कर रही है, तो तुम्हें वहां जाकर रहना चाहिए।' जब उनके आस-पास इकट्ठा हुए नगर के लोगों ने यह सुना, तो शोर मच गया। उन्होंने कहा, 'एक भिक्षु किसी वेश्या के घर में कैसे रह सकता है? यह आध्यात्मिक प्रक्रिया भ्रष्ट हो गई है।' गौतम ने कहा, 'आप इतना चिंतित क्यों हैं? समस्या क्या है?'

गौतम बुद्ध ने एक भिक्षु को वेश्या के पास क्यों भेजा



वे सब खड़े होकर चिल्लाते लगे। गौतम ने कहा, 'रुफिए! मैं इस मार्ग पर इसलिए हूँ क्योंकि मैं देवता हूँ कि यह जीने का सबसे शक्तिशाली तरीका है। लेकिन आप लोग मुझे

ही होना चाहिए। अगर आप किसी को अधिक ऊंचा पाते हैं, तो आपको उसके लिए जाना चाहिए। फिर भी, कई लोग चिल्लाते रहे और उनमें से कई चले गए। आनंद जाकर वेश्या के घर में रहा। मानसून ऋतु होने के कारण, ठंड हो गई और भिक्षु पतले वस्त्र पहने था, तो वेश्या ने उसे ओढ़ने के लिए एक सुंदर रेशमी कपड़ा दे दिया। उसने खुद को उससे कंक लिया। लोगों ने यह देखकर कहा, 'देखो, वह जा चुका है!' उसने अच्छा भोजन बनाया और भिक्षु को परोसा, और उसने खाया। शाम को, उसने भिक्षु के लिए नृत्य किया। उसने बैठकर बहुत सावधानी से, पूरी एकाग्रता से नृत्य को देखा। जब लोगों ने संगीत

की आवाज सुनी तो उन्होंने कहा, 'बस यही बाकी था, वह खत्म हो गया है।' चीजें चलती रहीं। जब बरसात रुकी और जाने का समय आया, तो आनंद गौतम के पास आया... और उसके साथ एक स्त्री भिक्षु भी आई। किसी मनुष्य में सत्य को खोजने की लालसा ऐसी चीज नहीं है, जिसे लोगों को सिखाया गया है। मानव बुद्धिमत्ता के लिए सर्वोच्च को खोजना स्वाभाविक बात है। अभी, वे किसी चीज में फंसे हो सकते हैं - शराब, नशीली दवाएँ, सामाजिक नाटक, या किसी दूसरे से बेहतर होना - लेकिन उनकी आकांक्षा सर्वोच्च के लिए है। हमें उन्हें बस इतना समझाना है कि बेहतर सर्वोच्च

मौजूद है। कई साधु, संत, योगी, और गुरु ऐसा हमेशा से कर रहे हैं लेकिन वे अपने आस-पास के लोगों से ही बात कर सके। उनके समय में, उनमें से कइयों ने सिर्फ कृपा और उर्जा से असाधारण चीजें कीं, और अपने आस-पास लाखों लोगों को रूपांतरित किया और उन्हें सत्य के मार्ग पर लगाया। लेकिन अब ऐसा समय आया है, जहां हमारी संचार करने की क्षमता ऐसी है कि हम सत्य को हर दवाजे से अंदर पहुंचा सकते हैं और हर किसी के मन और दिल पर दस्तक दे सकते हैं। ऐसा पहले कभी संभव नहीं था। सत्य की आकांक्षा और सत्य की खोज को धरती पर मुख्य ताकत बनाने के लिए यह अब तक का सबसे अच्छा युग है, क्योंकि हमारे पास ऐसे साधन हैं जो पहले किसी के पास नहीं थे। आइए इसे कर दिखाएं!

छत्तीसगढ़, झारखंड के जंगलों के बड़े हिस्से में एक तरह से माओवादियों का राज था और वहां उनसे लड़ना आसान नहीं था। जिन लोगों ने छत्तीसगढ़ के घने और विस्तृत जंगल नहीं देखे हैं, उन्हें यह बताना जरूरी है कि वहां माओवादियों की चापे-चापे पर नजर रहती है और उनके कैडर हर जगह पहुंचे रहते हैं। उन्हें हथियारों का भी बेहतर प्रशिक्षण दिया जाता है और घात लगाकर हमला करने में उन्हें महारत हासिल है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने माओवादियों पर लागू कसनी शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने इनसे निपटने के लिए सुरक्षा बलों को न केवल आधुनिकतम हथियार देना शुरू किया है, बल्कि अन्य संसाधन भी। माओवादियों से निपटने में सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि राज्य सरकारें पर्याप्त मदद नहीं करती। उन्हें लगता है कि ऐसी मुठभेड़ों से आम जनता भी चपेट में आ जाएगी, जो पूरी तरह से गलत भी नहीं है। लेकिन अब स्थिति बदलने लगी है और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण पर ध्यान दिया जाने लगा है। इससे सरकार के प्रति जनता में अब कटता का भाव नहीं रहा है। उनकी सहानुभूति अब माओवादियों के साथ न होकर सुरक्षा बलों के साथ है। तो राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर बीनागुंडा और आसपास के इलाकों में ऑपरेशन चलाया। दिन में चलए गए इस ऑपरेशन का लाभ यह हुआ कि सुरक्षा बलों को सभी कुछ साफ दिख रहा था और वे उन पर हावी हो गये। और बड़ी संख्या में माओवादियों को जान से हाथ धोना पड़ा। सुरक्षा

आंतरिक सुरक्षा: माओवादियों के अंत की तैयारी, 25 से अधिक मूलभूत सरकारी सुविधाएं; अब दूरी बनाने लगे हैं ग्रामीण

हाल ही में छत्तीसगढ़ के जंगलों में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में हैतओज दृश्य सामने आया। कांकेर जिले में जबदस्त गोलोबारी में कुल 29 माओवादी मारे गए, जिनमें उनका सबसे बड़ा नेता 25 लाख रुपये का इनामी शंकर राव भी शामिल था। इस मुठभेड़ में माओवादी आधुनिक हथियारों जैसे, असल्ट राइफलों तथा ग्रेनेड लॉन्चरों से लैस थे। फिर भी सुरक्षा बलों ने बेहद आक्रामक ढंग से मुकामला करते हुए उनका खारना किया। छत्तीसगढ़, झारखंड के जंगलों के बड़े हिस्से में एक तरह से माओवादियों का राज था और वहां उनसे लड़ना आसान नहीं था। जिन लोगों ने छत्तीसगढ़ के घने और विस्तृत जंगल नहीं देखे हैं, उन्हें यह बताना जरूरी है कि वहां माओवादियों की चापे-चापे पर नजर रहती है और उनके कैडर हर जगह पहुंचे रहते हैं। उन्हें हथियारों का भी बेहतर प्रशिक्षण दिया जाता है और घात लगाकर हमला करने में उन्हें महारत हासिल है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने माओवादियों पर लागू कसनी शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने इनसे निपटने के लिए सुरक्षा बलों को न केवल आधुनिकतम हथियार देना शुरू किया है, बल्कि अन्य संसाधन भी। माओवादियों से निपटने में सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि राज्य सरकारें पर्याप्त मदद नहीं करती। उन्हें लगता है कि ऐसी मुठभेड़ों से आम जनता भी चपेट में आ जाएगी, जो पूरी तरह से गलत भी नहीं है। लेकिन अब स्थिति बदलने लगी है और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण पर ध्यान दिया जाने लगा है। इससे सरकार के प्रति जनता में अब कटता का भाव नहीं रहा है। उनकी सहानुभूति अब माओवादियों के साथ न होकर सुरक्षा बलों के साथ है। तो राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर बीनागुंडा और आसपास के इलाकों में ऑपरेशन चलाया। दिन में चलए गए इस ऑपरेशन का लाभ यह हुआ कि सुरक्षा बलों को सभी कुछ साफ दिख रहा था और वे उन पर हावी हो गये। और बड़ी संख्या में माओवादियों को जान से हाथ धोना पड़ा। सुरक्षा

बलों की आक्रामकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक चार महीने में लगभग 80 माओवादी मारे गए हैं और 125 से अधिक गिरफ्तार हुए हैं तथा 150 से अधिक ने आत्मसमर्पण किया है। यह केंद्र तथा राज्य सरकार के बीच सामंजस्य से संभव हुआ है। गृह मंत्रालय इस मामले में दृढ़ संकल्पित है कि माओवादियों से सख्ती से निपटना है, लेकिन बातचीत के रास्ते खुले हुए हैं। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 2019 के बाद से 250 से भी ज्यादा सुरक्षा शिविर स्थापित किए गए हैं। इन माओवादियों के कारण राज्य का विकास रुक रहा है और जन जीवन प्रभावित हो रहा है। बस्तर जिले के सीधे-सादे आदिवासियों को झारका ये माओवादी उनके बच्चों तक को अपने साथ ले जाते हैं और उन्हें कम उम्र से ही हथियारों की ट्रेनिंग देते हैं। साठ के दशक के उत्तरार्ध में बंगाल के नक्सलवादी गांव से नक्सलवाद आंदोलन की शुरुआत हुई, जहां माओवादियों ने भूमिहीन किसानों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर सशस्त्र आंदोलन किया, जिसका वहां की सरकार भी ठीक से जवाब नहीं दे पाई। इसी आंदोलन की तर्ज पर कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिन) ने छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओडिशा आदि में हिंसक आंदोलन किया। बंगाल के आंदोलन के विपरीत यहां स्थितियों की लड़झाई नहीं थी, बल्कि अपना वर्चस्व स्थापित करने की खिन्नता है। इन माओवादियों के कैडर पैसे की वसूली करते हैं। खनन कार्य में लगी कंपनियों से मोटी रकम वसूली जा रही है। लेकिन अब समय बदलने लगा है और केंद्र सरकार माओवादियों से निपटने के लिए कर्म कस चुकी है। छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र के साथ मिलकर नक्सल प्रभावित जिलों के लिए नई योजनाएं भी बनाई हैं। इसके तहत उन्हें 25 से अधिक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीणों को आवास उपलब्ध कराने की बड़ी योजना पर काम हो रहा है। इस तरह के कल्याणकारी कार्यों से ग्रामीण माओवादियों से दूरी बनाने लगे हैं। हालांकि इस तरह के प्रयासों के कार्यान्वयन में वकत लगेगा, लेकिन इस दिशा में यह एक बड़ी पहल है।

किंतु प्राची निगम को इस बात का अफसोस है कि काश उसके एक दो नम्बर कम आ जाते तो वो टॉप नहीं करती, और इस तरह की चर्चा का विषय नहीं बनती और ना ही अपने शरीर पर उपरिष्ठ समान्य से अधिक वालों की वजह से उसे ट्रोल् होना पड़ता। हां मैं उस बच्चों की हिम्मत को जरूर सज्जद करना चाहूँगी, जिसको मंदबुद्धि लोगों ने ट्रोल् करके, तंग करने की नाकाम कोशिश की। मैं नाकाम कोशिश कह रही हूँ, क्योंकि वो बच्चों एक वीडियो में अपनी पीड़ा और खुशी दोनों जाहिर कर रही थी। हां बच्चों के चेहरे पर काबिलियत रूपी आत्मविश्वास अवश्य ही था। जिसके सामने उसको तंग करने की कोशिश करने वाले बहुत ही बौने सिद्ध हो रहे हैं। प्राची की स्थिति के माध्यम से मेरे जहन में एक सवाल उठा जिसका उत्तर अथक प्रयास के बाद भी मुझे नहीं मिला। तो मैंने सोचा कि क्यों ना आप सब के माध्यम से जबाब खोजा जाए। आखिर क्यों एक लड़की से हर तरह की मानसिक और शारीरिक संगुणता की उम्मीद की जाती है? क्यों हमारी सोच इतनी संकीर्ण है कि हम प्राची जैसी अनेक बेटियों के सुख और प्रगतिशील पहलू को महत्ता को कम करने की कोशिश करते हैं? क्या प्राची के शरीर के सामान्य से अधिक बाल होना उसकी इंसान होने की खूबी को कम

काबिलियत को शारीरिक बनावट के आधार पर प्रताड़ित करना किस हद तक जायज !

करते है। या उसके इंसान होने के तथ्य पर सवालिया निशान है? व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए यह कतई मायने नहीं रखता है कि इंसान कैसा दिखता है, क्यों कि मैं गांधी जी और नेल्सन मंडेला जैसी महान हस्तरियों के बौद्धिक स्तर में विश्वास रखने वाली प्राणी हूँ। पर यह हमारे समाज कटु सत्य है कि लड़की का 21वीं सदी में भी केवल इंसान होना पर्याप्त नहीं है। उसको इंसान होने से प्रमाणित करने के लिए, उसका सुंदर होना, सभ्य होना, मेहनती होना, जुबान होतें हुए भी गूँगी होना, आर्थिक रूप से सक्षम होना और सहनशील होना आदि आधारभूत योग्यताएं आवश्यक हैं। यहां एक और छोटा सा सवाल है जिसका उत्तर बहुत मुश्किल है। सवाल यह है कि क्यों हम लड़की या लड़का जैसे शब्दों में उलझे हुए हैं? आखिर हम सिर्फ और सिर्फ इंसान होने की धारणा को कब अपनायेंगे? मुझे अफसोस तब और अधिक होता है। जब हम बोलते हैं कि मेरे लिए बेटे और बेटा एक हैं तो फिर क्यों किसी और की बेटे सिर्फ एक लड़की है जिसमें जब चाहें, जैसे चाहें हम कमी निकाल देते हैं और अपनी मूर्खता और जड़ता में आदिष्ट होते हैं। यदि हम किसी की परिस्थिति को नहीं समझ सकते तो कम से कम एक इंसान होने के नाते, ऐसा कुछ नकरात्मक नहीं करें कि किसी की खुशी में भी खलल पड़े। यह लेख पढ़ते वकत प्राची में अपने आप को देखें और महसूस करें उस स्थिति को जिसमें बेटियाँ अपने आप को कितना असहज पाती हैं और मन ही मन लड़की होने पर अफसोस जाहिर करती हैं। कभी कभी तो भविष्य में होने वाली किसी अन्य नकरात्मक स्थिति से पहले से ही भयभीत होने लगती हैं।



टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी लॉन्च, नीले के साथ ऑरेंज कलर का कॉम्बिनेशन

नई दिल्ली। अगले महीने वेस्टइंडीज और यूएस में होने वाले टी20 वर्ल्डकप में टीम इंडिया नई जर्सी में नजर आएगी। टीम की ऑफिशियल क्रिकेट स्पॉन्सर एडिडास ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए नई जर्सी जारी की। नई डिजाइन की गई जर्सी नीले रंग की है। इसके साथ ऑरेंज कलर का कॉम्बिनेशन है। वहीं, वी-शेड कॉलर पर तिरंगे के रंग हैं।



एडिडास ने सोशल मीडिया पर लॉन्च का वीडियो शेयर किया। वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा के साथ कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को भी दिखाया गया। यह वीडियो धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम का है।

टी-20 वर्ल्ड कप का यह 9वां एडिशन है। टीम इंडिया हर बार नई जर्सी में खेली है। 2007 में भारतीय टीम की

जर्सी स्काय ब्लू कलर की थी। तब सहारा टीम का स्पॉन्सर था। ऑस्ट्रेलिया ने हरे रंग की

जर्सी लॉन्च की ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप के लिए हरे रंग की जर्सी लॉन्च की, जोश हेज़लवुड ने कहा, जब आप ग्रीन और गोल्ड के बारे में सोचते हैं तो आप ऑस्ट्रेलिया के बारे में सोचते हैं।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम में शिवम दुबे को जगह, गिल और रिव्कू सिंह रिजर्व प्लेयर

2 जून से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 30 अप्रैल को कर दी गई है। टूर्नामेंट के लिए संजू सैमसन और ऋषभ पंत को विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। पेस बॉलिंग ऑलराउंडर की कैटेगरी में हार्दिक पंड्या के साथ-साथ शिवम दुबे भी चुने गए हैं। शुभमन गिल और रिव्कू सिंह मुख्य स्कोड में जगह नहीं बना पाए हैं। ये ट्वेंटीवेंग रिजर्व का हिस्सा बनाए गए हैं।

महिला टी-20 में भारत का बांग्लादेश पर जीत का चौका भारत ने मुकाबला डकवर्थ लुईस मैथड से 56 रन से जीता

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को खिलाफ जीत का चौका लगाया। चौथा टी-20 बारिश से बाधित रहा, जिस वजह से मैच 14-14 ओवर का कर दिया गया। भारत ने यह मुकाबला डकवर्थ लुईस मैथड से 56 रन से जीता। इसके साथ ही पांच टी-20 मैचों की सीरीज में भारतीय महिला टीम ने 4-0 की बढ़त बना ली है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 6 विकेट पर 122 रन बनाए। उसकी ओर से प्लेयर ऑफ द मैच हरमनप्रीत ने 26 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली। ऋषा घोष ने 24 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 14 ओवर में 68/7 का स्कोर ही बना सकी।



टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर शेफाली वर्मा 4 स्कोर पर आउट हो गईं। उन्होंने 4 गेंदों में केवल 2 रन ही बनाए। वहीं स्मृति मंधाना भी 18 गेंदों पर 22 रन बना कर लौट गईं। वहीं हेमलता भी 14 गेंदों पर 22 रन बनाईं।

39 और ऋषा घोष ने 24 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा नहीं कर सकी बांग्लादेश की टीम

लक्ष्य का पीछा करने उतरे बांग्लादेश की शुरुआत काफी धीमी रही और टीम पावरप्ले के चार ओवर में एक विकेट पर 21 रन ही बना सकी। टीम ने इस दौरान मुशीदा खातून (01) का विकेट गंवया जिन्होंने दीपि ने विकेटकीपर ऋषा के हाथों कैच कराया। दिलारा 25 गेंद में दो चौकों से 21 रन की धीमी पारी खेलने के बाद दीपि की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू हो गई।

एक गेंद बाद रुबिया भी रन आउट हो गईं। शोभना ने कप्तान निगारा सुल्ताना (01) को एल्बीडब्ल्यू आउट किया जिससे चार गेंद के भीतर बांग्लादेश का स्कोर एक विकेट पर 38 रन से चार विकेट पर 39 रन हो गया। बांग्लादेश की टीम 14 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 68 रन ही बना सकी।

भारत की ओर से दीपि शर्मा और आशा शोभना ने 2-2 विकेट लिए। वहीं पूजा और राधा यादव को 1-1 विकेट मिले।

टी-20 वर्ल्ड कप में जायसवाल और दुबे टीम इंडिया के लिए तुरूप के इक्के साबित हो सकते - रवि शास्त्री

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। वेस्टइंडीज और अमेरिका की धरती पर टीम इंडिया को आईसीसी ट्रांफी दिलाने के लिए 15 खिलाड़ियों का चुनाव भी कर लिया गया है। सेलेक्टर्स ने कई अनुभवी प्लेयर्स पर भरोसा दिखाया है, तो कुछ युवा नामों पर भी दांव खेला है। इस बीच, भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने उन दो खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जो इस मेगा इवेंट में टीम इंडिया के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकते हैं।



शास्त्री ने की भविष्यवाणी रवि शास्त्री ने आईसीसी के शो पर बातचीत करते हुए बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे टीम इंडिया के लिए तुरूप के इक्के साबित

हो सकते हैं। शास्त्री ने कहा, दो जेंटलमैन पर आपको नजर रखनी होगी। यह दोनों ही बाएं हाथ के खिलाड़ी और अपना पहला ही वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। एक यशस्वी जायसवाल है। हम उनके बारे में काफी कुछ जानते हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ कमाल का प्रदर्शन किया। टॉप ऑर्डर में वह तूफानी बल्लेबाजी करते हैं। वह युवा और निडर हैं और सभी शॉट्स खेलते हैं।

दुबे के मुरीद पूर्व हेड कोच टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा, हालांकि, एक और खिलाड़ी है, जो मिडिल ऑर्डर में खेलेगा। उस पर भी नजर रखिएगा, क्योंकि वह तूफानी बल्लेबाजी करता है और वह मैच विनर है। वह फन के लिए छक्के लगाता है। स्पिन गेंदबाजी की बात आती है, तो

वह आपको मार सकता है। यहां तक कि तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी उनसे अपने गेम पर काम किया है। मुझे लगता है कि नंबर पांच या छह की पोजीशन पर वो अहम प्लेयर रहेगा, क्योंकि जब आप मुश्किल में होते हैं, तो आपको एक ऐसा खिलाड़ी चाहिए, जो 20 से 25 गेंदों में मैच को पलट दे। शिवम दुबे वैसे ही प्लेयर हैं।

कमाल का रहा है आईपीएल सीजन

शिवम दुबे के लिए आईपीएल 2024 का सीजन अब तक कमाल का गुजरा है। इस सीजन शिवम ने 170.73 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए रन बटोरे हैं। शिवम 11 मैचों में 350 रन ठोक चुके हैं। बीच के ओवरों में शिवम इस साल लंबे-लंबे सिक्स जमाते हुए दिखाई दिए हैं।

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स (चंद्रक) का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। केकेआर ने मौजूदा सीजन में अब तक 11 में से आठ मुकाबले जीते हैं और वह अंकतालिका में पहले नंबर पर है। पिछले दो सीजन में कोलकाता की टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई थी, मगर इस बार वह प्लेऑफ में पहुंचने की दहलीज पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स आने वाले मैचों में यदि अच्छे प्रदर्शन करती है तो उसके पास टॉप पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंचने का मौका होगा।



इससे पहले वह कभी भी टॉप पर रहते हुए प्लेऑफ में नहीं पहुंची है। साल 2012 और 2014 में केकेआर रनप स्टेज में दूसरे स्थान पर रही थी और फिर आगे चलकर चैंपियन बनी। कोलकाता नाइट राइडर्स के इस शानदार प्रदर्शन में कैरेबियाई धुरंधरों

सुनील नरेन और आंद्रे रसेल की अहम भूमिका रही है। नरेन ने फिल साल्ट के साथ मिलकर कोलकाता को ज्यादातर मुकाबलों में बल्ले से धमाकेदार शुरुआत दिलाई है। साथ ही नरेन ने गेंदबाजी में भी कमाल किया है। वहीं रसेल ने फिनिशर रोल निभाने के साथ-साथ गेंद से अहम मौकों पर सफलता दिलाई है। सुनील नरेन और फिल साल्ट की ओपनिंग जोड़ी में मौजूदा सीजन में अब तक 11 पारियों में 50.27 की औसत 553 रन जोड़े हैं। इस दौरान पांच मौके पर इस जोड़ी

ने अर्धशतकीय और एक बार शतकीय पार्टनरशिप (138) की। साल्ट-नरेन की जोड़ी केकेआर के लिए एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक बार पचास या उससे ज्यादा की साझेदारी करने वाली जोड़ी है। इस जोड़ी का रनरेट 12.56 रहा है जो उनकी तूफानी बैटिंग को बयां करता है।

आईपीएल 2024 में सुनील नरेन ने अब तक 41.90 के एवरेज और 183.66 की स्ट्राइक रेट से 461 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और तीन अर्धशतक निकले। उनका बेस्ट स्कोर 109 रन है। गेंदबाजी की बात करें तो नरेन ने 11 पारियों में 6.61 की इकोनॉमी रेट से 14 विकेट लिए। वहीं आंद्रे रसेल ने 11 पारियों में 10.16 की इकोनॉमी रेट से 13 विकेट लिए हैं। साथ ही रसेल ने 186.79 की स्ट्राइक रेट से 198 रन बनाए हैं।

18 मई को भी खुलेगा शेयर बाजार शनिवार को दो स्पेशल ट्रेडिंग सेशन होंगे

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने मई (मंगलवार) को ऐलान किया कि 18 मई 2024 यानी शनिवार को छुट्टी के दिन भी बाजार ओपन रहेगा। इस दौरान दो स्पेशल लाइव ट्रेडिंग सेशन होंगे। डिजास्टर रिकवरी साइट को टेस्ट करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।



स्टॉक एक्सचेंज ने बताया कि इक्रिटी और इक्रिटी डेरिवेटिव सेगमेंट में प्राइमरी साइट से डिजास्टर रिकवरी साइट पर इंटर-डे स्विच के साथ यह स्पेशल लाइव ट्रेडिंग सेशन आयोजित किया जाएगा। ऐसा करके प्राइमरी साइट के मेजर डिसरप्शन और फंक्शरी को हेंडल करने के लिए तैयारियों की जांच की जाएगी। स्पेशल लाइव ट्रेडिंग सेशन में प्राइमरी साइट से डिजास्टर रिकवरी साइट पर इंटर-डे स्विच होगा। डिजास्टर रिकवरी साइट का इस्तेमाल सबसे रीसेंट बैकअप से डेटा रिकवरी करने के लिए किया जाता है। यदि प्राइमरी लोकेशन और उसके सिस्टम किसी अप्रत्याशित घटना के

कारण फेल हो जाते हैं तो रिकवरी साइट पर स्विच किया जा सकता है। एक्सचेंज जैसे सभी क्रिटिकल इस्ट्रीट्युशन के लिए एक छत्र साइट आवश्यक है, ताकि यदि कोई खराबी मुंबई में मैन ट्रेडिंग सेंटर के कामकाज को प्रभावित करती है, तो ऑपरेशन को बिना किसी रुकावट के अच्छे से किया जा सके। यह सेशन दो फेज में

आयोजित किया जाएगा। पहला फेज - 45 मिनट का सेशन होगा जो सुबह 9:15 बजे शुरू और 10 बजे खत्म होगा। दूसरा स्पेशल लाइव ट्रेडिंग सेशन सुबह 11:45 बजे शुरू होगा और दोपहर 12:40 बजे समाप्त होगा। स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के दौरान सभी पयूचर एंड ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट वाले शेयरों सहित सिक्वोरिटीज में अपर

और लोअर सर्किट लिमिट 5जी होगी। यानी, शेयरों में इस सीमा के भीतर ही उतार-चढ़ाव होगा। वहीं जो स्टॉक पहले से ही 2वें बैंड में हैं, वे इसी बैंड में बने रहेंगे। यह उपाय अत्यधिक अस्थिरता को रोकता है और ड्रिल यानी टेस्टिंग के दौरान बाजार में स्थिरता बनाए रखता है।

संसेक्स 383 अंक गिरकर 73,511 के स्तर पर बंद हुआ शेयर बाजार में 7 मई को गिरावट देखने को मिली। संसेक्स 383 अंक की गिरावट के साथ 73,511 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 140 अंक की गिरावट रही, ये 22,302 के स्तर पर बंद हुआ। संसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में बढ़त देखने को मिली है। पावर, बैंकिंग और मेटल शेयर्स में ज्यादा गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में आज 5.20 प्रतिशत की बढ़त रही।

संसेक्स 383 अंक गिरकर 73,511 पर बंद, निफ्टी में भी 140 अंक की गिरावट रही

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 7 मई को गिरावट देखने को मिली है। संसेक्स 383 अंक की गिरावट के साथ 73,511 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 140 अंक की गिरावट रही, ये 22,302 के स्तर पर बंद हुआ। संसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में बढ़त देखने को मिली है। आज पावर, बैंकिंग और मेटल शेयर्स में ज्यादा गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में आज 5.20 प्रतिशत की बढ़त रही।



इंडेजीन लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 6 मई से ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 6 मई से 8 मई तक बोली लगा सकते। 13 मई को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

पर लिस्ट होंगे। इंडेजीन लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड

?430-7452 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 33 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड ?452 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अपलाय करते हैं, तो इसके लिए मिनिमम ?14,916 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 429 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अपलाय कर सकते हैं। इसके निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 193,908 इन्वेस्ट करने होंगे। इससे पहले 6 मई को शेयर बाजार में सपाट कारोबार देखने को मिला था। संसेक्स 17 अंक की तेजी के साथ 73,895 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में 33 अंक की गिरावट रही, ये 22,442 के स्तर पर बंद हुआ था।

यूपीआई से ट्रांजैक्शन एक साल में 50 प्रतिशत बढ़ा, अप्रैल में 1,330 करोड़ लेनदेन हुए

नई दिल्ली। अप्रैल 2024 में 1,330 करोड़ यूपीआई ट्रांजैक्शन हुआ। इस दौरान टोटल 19.64 लाख करोड़ की राशि ट्रांसफर की गई। ट्रांजैक्शन की संख्या में सालाना आधार पर 50.11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, इसके जरिए ट्रांसफर की जाने वाली राशि में 38.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी अप्रैल 2023 में 886 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 14.16 लाख करोड़ रूपए का लेनदेन हुआ था। यूनिकाइड पेमेंट इंटरफेस से मार्च में ट्रांजैक्शन का नया रिकॉर्ड बना था। इस दौरान एक महीने में सबसे ज्यादा 1,344 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 19.78 लाख करोड़ रूपए का लेनदेन हुआ था। वहीं, पूरे वित्त वर्ष यानी अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के



अडाणी ग्रीन एनर्जी श्रीलंका में दो विंड पावर स्टेशन बनाएगी 20 साल के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया

नई दिल्ली। श्रीलंका की सरकार ने मंगलवार को गौतम अडाणी की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी के साथ देश में विंड पावर स्टेशन डेवलप करने की मंजूरी दी है। श्रीलंका के मन्नार और पूनरीन में अडाणी ग्रीन एनर्जी विंड पावर स्टेशन यानी पवन ऊर्जा स्टेशन बनाएगी। दोनों पक्षों ने 20 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया है। श्रीलंका की सरकार ने कहा कि एग्रीमेंट के मुताबिक कंपनी को 8.26 सेंट प्रति किलोवाट-घंटे का भुगतान किया जाएगा। इससे पहले पिछले साल फरवरी में अडाणी ग्रीन एनर्जी को मन्नार शहर और पूनरीन गांव में 484 मेगावाट के विंड पावर प्लांट को डेवलप करने के लिए मंजूरी मिली थी। इसके लिए कंपनी 442 मिलियन



द्वारा (करीब 367 करोड़) निवेश करने वाली है। ये दोनों जगह श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में हैं। साल 2022 में श्रीलंका ने

दौरान 13,068 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन हुए। इन ट्रांजैक्शनसंस के जरिए लोगों ने 199.95 लाख करोड़ का लेनदेन किया। यह वित्त वर्ष

2022-23 के मुकाबले 43.68 प्रतिशत ज्यादा है। यूपीआई सर्विस के लिए आपको एक वरचुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना

होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा।

इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम या आईएफएससी कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट क्रिस्टे प्रोसेस करता है।

अगर, आपके पास उसका यूपीआई आईडी (ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर या आधार नंबर) है तो आप अपने स्मार्टफोन के जरिए आसानी से पैसा भेज सकते हैं। न सिर्फ पैसा बल्कि यूटिलिटी बिल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, खरीदारी आदि के लिए नेट बैंकिंग, क्रेडिट या डेबिट कार्ड भी जरूरत नहीं होगी। ये सभी काम आप यूनिकाइड पेमेंट इंटरफेस सिस्टम से कर सकते हैं।

कॉलर (करीब 367 करोड़) निवेश करने वाली है। ये दोनों जगह श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में हैं। साल 2022 में श्रीलंका ने

बिजली संकट और ईंधन की कमी का सामना किया। इंपोर्ट किए जाने वाले ईंधन की लागत से बचने के लिए श्रीलंका अब रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स में तेजी ला रहा है।

जनवरी-मार्च तिमाही में अडाणी ग्रीन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 39 प्रतिशत घटकर ?310 करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 507 करोड़ रहा था। वहीं पिछली तिमाही में यह 256 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 21.09 प्रतिशत बढ़ा है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 3 मई को QyFY24 यानी फाइनल इंश्यर 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे।

इंदौर को मतदान में नम्बर वन बनाने के लिए एक बार फिर दिव्यांगजन आगे आये

- सभी आयु वर्ग के मतदाताओं को मतदान के प्रति आकर्षित करने के लिए दिव्यांगजनों ने प्रस्तुत किये रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

इन्दौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नये-नये रोचक प्रयास किये जा रहे हैं। इन जागरूकता कार्यक्रमों में शहर के दिव्यांगजन बड़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए तिपहिया वाहनों की प्रभावी रैली के बाद दिव्यांगजनों ने नाट्य और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करत हुए रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। स्थानीय रविन्द्र नाट्य गृह में आज सम्पन्न हुये इस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग के युगपुरुष धाम बौद्धिक विकास केन्द्र, संवेदना बौद्धिक विकास केन्द्र, अनुभूति सेवा विज्ञान समिति, निःशक्तजन आधार वेल्फेयर सोसायटी आसरा, अरूणाभ संस्था तथा शासकीय दिव्यांग गृह इंदौर के दिव्यांगजनों ने पूरे उत्साह के साथ सांस्कृतिक

कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह की पहल

संस्था के बौद्धिक दिव्यांग बच्चों द्वारा संचालित किये गये कैफे से कार्यक्रम में आये हुये सभी संस्था के बच्चों, शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों ने स्वल्पाहार का आनन्द लिया। इस अवसर पर सीईओ स्मार्ट सिटी एवं स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी श्री दिव्यांग सिंह ने इंदौर जिले को मतदान में भी नम्बर वन बनाने के लिए मतदान दिवस 13 मई को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदान की शपथ दिलाई। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, सामाजिक न्याय विभाग एवं स्मार्ट सिटी इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में शहर के दिव्यांगजनों ने उपस्थित सभी नागरिकों को एक बार भी पूरे उत्साह के साथ मतदान करने का संदेश दिया।



उक्त आयोजन कलेक्टर एवं जिला पर किया गया। कार्यक्रम स्थल पर अरूणाभ

बुजुर्ग भी रहे मतदान में आगे



श्यापुर, लोकसभा निर्वाचन के तहत 80 प्लस वोटर ने भी उत्साहपूर्वक मतदान में भाग लिया। पुराने सामान्य वन मंडल कार्यालय श्यापुर स्थित मतदान केन्द्र पर बालापुरा निवासी बुजुर्ग मुस्तफा मतदान केन्द्र क्रमांक 170 शासकीय माध्यमिक विद्यालय नागदा रोड वार्ड नंबर 10 पर बुजुर्ग मतदाताओं द्वारा मतदान कर लोकतंत्र की प्रक्रिया में भागीदारी की गई। इस अवसर पर तहसीलदार श्रीमती प्रेमलता पाल भी मौजूद रही। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर, रैम्प आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी।

कलेक्टर-एसपी ने चैनपुरा में डाला वोट



श्यापुर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड तथा पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद द्वारा श्यापुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र. 97 शासकीय माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा बगवाज पहुंचकर अपने वोट डाले। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड कलेक्टर कार्यालय से सुबह 7 बजे मतदान करने के लिए मतदान केन्द्र पहुंचे तथा मतदान केन्द्र पर पहुंचकर अपना

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सपरिवार किया मतदान

श्यापुर, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अनुज कुमार रोहतगी द्वारा सपरिवार मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान किया गया। लोकसभा निर्वाचन के तहत अपर कलेक्टर डॉ. रोहतगी श्यापुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र. 97 शासकीय माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा बगवाज पहुंचे तथा परिवार सहित अपना वोट डाला।



सीईओ जिला पंचायत ने सलापुरा में, एसडीएम ने बगवाज में डाला वोट

श्यापुर, सीईओ जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अतिरिक्त सिंह गुर्जर द्वारा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट ईडीसी के माध्यम से कलाराना पंचायत के सलापुरा मतदान केन्द्र पर मतदान किया गया। एसडीएम श्यापुर मनोज गडवाल, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन एवं तहसीलदार श्रीमती प्रेमलता पाल ने चैनपुरा बगवाज स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 97 पर मतदान किया।

श्यापुर, सीईओ जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अतिरिक्त सिंह गुर्जर द्वारा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट ईडीसी के माध्यम से कलाराना पंचायत के सलापुरा मतदान केन्द्र पर मतदान किया गया। एसडीएम श्यापुर मनोज गडवाल, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन एवं तहसीलदार श्रीमती प्रेमलता पाल ने चैनपुरा बगवाज स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 97 पर मतदान किया।

युवा वोटरो में दिखाई दिया उत्साह



श्यापुर, लोकसभा निर्वाचन के तहत 18 प्लस वोटर में मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। शासकीय पीजी कॉलेज श्यापुर में स्थित मतदान केन्द्र 174 पर युवा वोटर आकाश राठौर, धर्मेन्द्र प्रजापति, शशांक श्रीवास्तव, लोकेन्द्र जोनवार ने उत्साह के साथ मतदान में भाग लिया। इस अवसर पर युवा वोटर्स ने अमित स्याही का निशान दिखाते हुए युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने का आह्वान किया गया।

पहुंचे वोट डालने लोकसभा निर्वाचन के तहत इसी साल पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत नव मतदाता बने युवा भी जोश के साथ अपना वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र पहुंचे। शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल श्यापुर स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 199 पर नव मतदाता दक्षिणा शर्मा, यथ शर्मा एवं देवार्शु शर्मा निवासी नौगढ़ का मंदिर श्यापुर द्वारा अपना वोट डाला गया तथा निर्वाचन आयोग से मिले कलरफुल एवं आकर्षक ईपिक कार्ड को दिखाते हुए मतदान किया।

नव मतदाता भी जोश के साथ

गर्मी के मौसम में बिजली बिल को नियंत्रित करने हेतु आसान उपाय एवं जानकारी

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से कहा कि वे गर्मी के मौसम में बिजली बिल नियंत्रित रखने के लिए दिए जा रहे आसान उपाय और जानकारी अपनाकर बिजली और बिल की राशि दोनों में बचत कर सकते हैं। दिन में सूर्य के प्रकाश का अधिकतम उपयोग करें तथा गैर-जर्करी फंखे, लाईट इत्यादि उपकरणों को बंद रखें। विशेषतः कार्यालयीन समय में भोजनावकाश के दौरान, घर से बाहर एवं कक्ष से बाहर जाते समय, ध्यानपूर्वक समस्त प्रकाश, फंखे एवं कंप्यूटर मॉनिटर इत्यादि को बंद करें चाहे आप थोड़े समय के लिए ही क्यों न बाहर जा रहे हों। अपने साथियों, सहकर्मियों, अधीनस्थ कर्मचारियों एवं परिवार को प्रोत्साहित करें कि वे दिन के समय विद्युत का कम से कम उपयोग करें। घरों में उपयोग होने वाले उपकरणों का प्रयोग यथासंभव एक साथ न करें क्योंकि ऐसा करने से घर की वायु में विद्युत क्षति बढ़ जाती है। वार्षिक विद्युत खपत का लगभग 9 प्रतिशत केवल प्रकाश व्यवस्था पर खर्च होता है। अतः विद्युत का उपयोग अति आवश्यक अवसरों पर करने पर विद्युत खर्च में लगभग 20 प्रतिशत की कमी की जा सकती है। ब्यूरो आफ एनर्जी इफिशिएंसी द्वारा प्रमाणित कम से कम तीन

सितारा चिन्हित ऊर्जा दक्ष उपकरणों का क्रय करने से ऊर्जा खपत कम की जा सकती है। अप्रमाणित उपकरण क्रय करते समय सस्ते हो सकते हैं किंतु इनमें बिजली खपत अधिक होती है एवं कुछ अंतराल के पश्चात् ये महंगे साबित होते हैं। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे टी.वी. को स्टैंडबाय मोड पर न रखने से 1 वर्ष में लगभग 70 यूनिट विद्युत की बचत हो सकती है। कम्प्यूटर - कम्प्यूटर के मॉनिटर एवं कापीअर्स को स्लीप मोड में रखने से लगभग 40 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होती है। एलईडी मॉनिटर का प्रयोग करें यह पारंपरिक सी.आर.टी. मॉनिटर की तुलना में कम ऊर्जा खर्च करता है। यदि कम्प्यूटर को चालू रखना आवश्यक हो तो मॉनिटर अवश्य बंद रखें जो कि

कुल ऊर्जा का 50 प्रतिशत से अधिक खर्च करता है। यदि एक कम्प्यूटर 24 घंटे चालू रखा जाए तो यह एक ऊर्जा दक्ष फ्रिज से अधिक विद्युत खर्च करता है। अतः उपयोग न होने पर कम्प्यूटर बंद रखें। एलईडी बल्ब - वर्तमान में एलईडी बल्ब ऊर्जा बचत हेतु अतिउत्तम विकल्प है क्योंकि इनका उपयोग करते हम बिजली की बचत कर सकते हैं। एलईडी बल्ब बार-बार चालू/बंद करने से उनकी उम्र पर असर नहीं पड़ता है जबकि साधारण बल्ब जल्दी ही फ्यूज हो जाते हैं। एक 40 वाट के साधारण बल्ब के प्रकाश के बराबर के प्रकाश के लिए 4 से 5 वाट क्षमता के एलईडी बल्ब की आवश्यकता होती है। एलईडी बल्ब परंपरागत बल्ब की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक प्रकाश देते हैं एवं इनकी टिकाऊ होने की अवधि सामान्य बल्ब की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक है। यह कम ऊर्जा ग्रहण करते हैं और ज्यादा गर्म भी नहीं होते हैं। रूफ टाप सोलर पैनल - सौर ऊर्जा मिशन के अंतर्गत भारत सरकार के गैर-परम्परागत ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 10 कि.वा. से 500 कि.वा. के रूफ टाप सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। यह कम ऊर्जा ग्रहण करने के लिए सामान्यतः 100 वर्गफुट छत की आवश्यकता होती है।



कलेक्टर ने किया मतदान केन्द्रों का भ्रमण सुबह शहर के मतदान केन्द्र देखे, शाम को ग्रामीण क्षेत्रों का लिया जायजा

श्यापुर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन क्रमांक 101, सोईकलां स्कूल स्थित मतदान विद्यालय बगडुआ मतदान केन्द्र क्र. 60 तथा अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड द्वारा लोकसभा निर्वाचन के तहत मतदान प्रक्रिया शुरू होने के तत्काल बाद विभिन्न मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने पुराना फोरेस्ट कार्यालय, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय उच्चत विद्यालय, महाराष्ट्र समाज धर्मशाला, प्राथमिक शाला भवन किला परिसर सहित अन्य मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया तथा मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया गया। इसके उपरान्त शाम के समय उन्होंने हाई स्कूल रायपुरा स्थित मतदान केन्द्र

केन्द्र क्र 80 एवं 81, शासकीय प्राथमिक हुए बाहर परिसर में टेन्ट लगाये गये थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड द्वारा मतदान केन्द्रों के भ्रमण के दौरान मतदाताओं के लिए की गई व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का अवलोकन किया गया। उल्लेखनीय है कि जिलेभर के मतदान केन्द्रों पर जिला प्रशासन द्वारा मतदाताओं के लिए छाया, पानी तथा बैठने के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी, मतदान केन्द्रों को आकर्षक रूप में सजाते



पुलिस अधीक्षक द्वारा मतदान केन्द्रों का भ्रमण



श्यापुर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद द्वारा लोकसभा निर्वाचन के तहत जहां सभी मतदान केन्द्रों पर पुलिस अधिकारियों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निगरानी रखी गई, वहीं उन्होंने श्यापुर, आवदा एवं बडौदा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का भ्रमण भी किया।

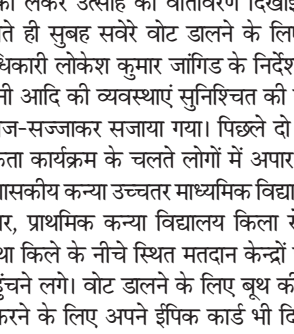
इस दौरान उन्होंने आवदा क्षेत्र के मतदान केन्द्र सहित राडेप, पाणडोला, देगदा के मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। उन्होंने नहर नागदा रोड पर स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय के मतदान केन्द्रों का भी निरीक्षण किया।

हल्दी लगाए दूल्हा पहुंचा मतदान करने मतदाताओं से भी वोट डालने की अपील की

सागर। सागर लोकसभा सीट पर मतदान को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह नजर आया। वहीं गर्मी के चलते सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर बड़ी संख्या में लोग नजर आये। सागर जिले के सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गेहरास बुजुर्ग के आदर्श मतदान केन्द्र 177 में हल्दी लगाकर एक दूल्हा मतदान करने पहुंचा और मतदान किया। गेहरास बुजुर्ग के सुधार्शु अहिरवार की शादी 8 मई को है। परिवार ने आज सुबह हल्दी रस्म निभाई। रस्म के बाद वे मतदान केन्द्र पहुंचे और वोट डालकर अपना फर्ज निभाया और मतदाताओं से भी वोट डालने की अपील की। उल्लेखनीय है कि सुरखी विधानसभा के जैसीनगर विकासखंड अंतर्गत गेहरास बुजुर्ग के शासकीय हाई स्कूल के मतदान केन्द्र क्रमांक 177 को आदर्श मतदान केन्द्र बनाया था। गर्मी को देखते हुए मतदान केन्द्र में छाया के लिए शादी समारोह जैसा टेंट लगाया गया था। यहाँ आंगनवाड़ी विभाग द्वारा मतदाताओं को छोटे बच्चों को खेलने के लिए खिलौने की व्यवस्था की गई थी, साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा टंडे पानी की व्यवस्था की गई थी। आयुष व स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक उपचार संबंधी व्यवस्था की गई है। हाई स्कूल द्वारा कूलर की व्यवस्था की गई थी। बीएलओ द्वारा मतदाता सुविधा काउंटर भी बनाया गया था।

मतदान को लेकर उत्साह, सुबह सवेरे ही पहुंचे लोग

श्यापुर, श्यापुर जिले में मतदान को लेकर उत्साह का वातावरण दिखाई दिया, पोलिंग स्टेशनों पर मतदान प्रक्रिया के शुरू होते ही सुबह सवेरे वोट डालने के लिए लोग पहुंचने लगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए छाया, पानी आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। आदर्श एवं महिला प्रबोधित बुधों को विशेष साज-सज्जाकर सजाया गया। पिछले दो महीने से जारी स्वीप गतिविधियों एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के चलते लोगों में अपार उत्साह दिखाई दिया। शहर में फोरेस्ट कार्यालय भवन, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय उच्चत विद्यालय, राजीव गांधी सभागार, प्राथमिक कन्या विद्यालय किला रोड, गुर्जर गौड धर्मशाला, महाराष्ट्र समाज धर्मशाला तथा किले के नीचे स्थित मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग मतदान के लिए पहुंचने लगे। वोट डालने के लिए बुध की कतार में लगे मतदाताओं ने उत्साह के साथ वोटिंग करने के लिए अपने ईपिक कार्ड भी दिखाए।



सागर संसदीय क्षेत्र में 65.73 प्रतिशत मतदान तेज गर्मी में भी मतदाताओं में दिखा उत्साह

मतदान केन्द्रों पर लगी रहीं लंबी कतारें कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ मतदान कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर, एसपी सहित सभी एआरओ रहे भ्रमण पर

सागर। लोकसभा निर्वाचन के तृतीय चरण में आज सागर संसदीय क्षेत्र में शामिल बीना, खुरई, सुरखी, नरयावली, सागर, कुरवाई, सिरोंज और शमशाबाद में 65.73 प्रतिशत मतदान हुआ। सागर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत सागर जिले के विधानसभा क्षेत्र बीना में 64.52 प्रतिशत, खुरई में 67.89 प्रतिशत, सुरखी में 67.03 प्रतिशत, नरयावली में 59.96 प्रतिशत, सागर में 58.21 प्रतिशत तथा विदिशा जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र क्रमशः कुरवाई में 70.43 प्रतिशत, सिरोंज में 70.07 प्रतिशत तथा शमशाबाद में 67.56 प्रतिशत मतदान हुआ।



सागर के पांचो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में जिला प्रशासन और पुलिस की बेहतरीन व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण रूप से मतदान संपन्न हुआ। मतदान के दौरान बुजुर्ग, युवा, महिला, दिव्यांग मतदाताओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ अपने मताधिकार का उपयोग किया। लोगों ने निर्भीक होकर अपना कर्तव्य निभाया। प्रातः 5:30 बजे मतदान दल के द्वारा मॉक पोल की प्रक्रिया संपन्न कराई गई और प्रातः 7:00 से मतदान केन्द्रों में मतदान शुरू हुआ जो शाम 6:00 बजे तक चला। सागर संसदीय क्षेत्र के मतदान केन्द्रों में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। भ्रमण गर्मी होने के बावजूद भी लोग मतदान केन्द्र पहुंचे। लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ अपना फर्ज निभाते हुए मतदान किया। इस दौरान कुछ ऐसे युवक जिनका

विवाह होने वाला है, वे भी हल्दी की रस्म के बाद मतदान केन्द्र पहुंचे तथा अपने मत का उपयोग किया और दूसरों से भी मतदान की अपील की। सागर जिले के बीना, खुरई, सुरखी, नरयावली, सागर निर्वाचन क्षेत्र में शांतिपूर्ण रूप से मतदान संपन्न करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सागर जिले के 5 विधानसभा क्षेत्र बीना, खुरई, सुरखी, नरयावली, सागर एवं विदिशा जिले के 3 विधानसभा क्षेत्र कुरवाई, सिरोंज, शमशाबाद के कुल 2077 मतदाता केन्द्रों पर मतदान किया गया। मतदान केन्द्रों पर आकर्षक सजावट के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मतदाताओं की सुविधा हेतु टंडे पानी, छाया और आवश्यकता पड़ने पर दवाईयों की व्यवस्था भी की गई थी। इन सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता

इंतजाम रहे। पूरे संसदीय क्षेत्र में करीब 4500 पुलिसकर्मियों कर्मियों ने मोर्चा संभाला। इनमें प्रथम श्रेणी के पुलिस अधिकारी से लेकर पुलिस के जवान तक शामिल रहे। पुलिस कर्मियों के अलावा सीआरपीएफ की तीन कंपनी, एसएफ की दो कंपनी तथा व्यूआरएफ का भी एक दल लगाया गया था। इसके अलावा स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स के जवान भी तैनात रहे। 950 संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से भी नजर रखी गई। सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल समय समय पर क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। सभी पांचो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की प्रवेश सीमा में वाहनों की तलाशी भी लगातार जारी रही। मतदान के दौरान संभाग आयुक्त डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत

और आईजी प्रमोद वर्मा भी लगातार मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करते रहे। उन्होंने मालथौन के अनेक मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। बाद में वे यूपी से जुड़ने वाली अंतर्राज्यीय सीमा पर भी गये और सीमा पर स्थापित नाकों की भी चैक किया। इसी प्रकार कलेक्टर श्री दीपक आर्य और पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक तिवारी भी लगातार पांचो विधानसभा क्षेत्र के भ्रमण पर रहे। वे विभिन्न मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान दल तथा वहां सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस बल से भी जानकारी लेते रहे। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने मतदान दलों में तैनात कर्मचारियों से भी व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा लाईन में लगे मतदाताओं से भी चर्चा की।

संभाग कमिश्नर, आईजी ने किया विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

सागर। संभाग कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत एवं पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा ने खुरई विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम रविश श्रीवास्तव और अन्य अधिकारी मौजूद थे। संभाग कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत खुरई विधानसभा क्षेत्र के ग्रामों सहित अन्य मतदान केन्द्रों पर पहुंचे, जहां उन्होंने मतदान कर्मियों, मतदाताओं, सुरक्षा कर्मियों से चर्चा की एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने समस्त मतदाताओं से अपील भी कि आप सभी मतदान केन्द्र पर आकर मतदान करें। संभाग कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रमोद वर्मा ने कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक तिवारी के साथ स्मार्ट सिटी के आई ट्रिपल सी पहुंचकर जिले की पांच विधानसभा क्षेत्र में हो रही निर्वाचन की वेबकास्टिंग के माध्यम से मानिटरिंग की। उन्होंने मौके पर भी मतदान केन्द्रों के पीटीसी अधिकारियों से चर्चा की।



जिले में 55.34 प्रतिशत हुआ मतदान, कोई भी बड़ी घटना घटित नहीं हुई

6 विधानसभाओं में 8 लाख 25 हजार 908 वोटर्स ने किया मताधिकार का प्रयोग, पुरुषों की तुलना में पोलिंग पर कम संख्या में पहुंची महिला वोटर्स



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत मुरैना-श्यापुर संसदीय सीट के लिए मतदान प्रक्रिया मंगलवार 7 मई को संपन्न हुई। छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मुरैना जिले में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। मुरैना जिले में बनाए गए 1706 मतदान केन्द्रों पर मॉकपोल के बाद सुबह 7 बजे वोटिंग शुरू हो गई थी। जो शाम 6 बजे तक चली। मतदान शुरू होने के बाद पहले दो घंटे यानि सुबह 9 बजे तक मतदान की रफ्तार धीमी रही, महज 13.95 फीसदी वोटर्स ही पोलिंग पर वोट डालने पहुंचे। 9 बजे के बाद दोपहर 1 बजे तक बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र पहुंचे। मतदान शुरू होने से मतदान समाप्त तक मुरैना जिले

की सभी 6 विधानसभाओं में कुल 55.34 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल 14 लाख 92 हजार 496 मतदाताओं में से 8 लाख 25 हजार 908 मतदाताओं ने वोट डाले। जिनमें महिला वोटर्स का प्रतिशत 51.78 एवं पुरुषों का मतदान प्रतिशत 58.39 रहा है।
सुमावली के गढ़ीखेरा में ग्रामीणों ने किया बहिष्कार
 सुमावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गढ़ीखेरा गांव की पोलिंग-51 एवं 52 पर सुबह 7 बजे वोटिंग शुरू हुई। लेकिन गढ़ीखेरा गांव के लोगों ने वोट डालने से इंकार करते हुए मतदान का

बहिष्कार कर दिया। ग्रामीण दूसरे गांव में पोलिंग बनाए जाने और गांव की पांच हजार से अधिक आबादी होने के बाद भी स्कूल न होने से नाराज थे। बहिष्कार की खबर मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी गढ़ीखेरा पहुंचे, उन्होंने नाराज ग्रामीणों को समझा-बुझाकर मतदान के लिए राजी किया। तब कहीं जाकर करीब चार घंटे बाद गढ़ीखेरा में वोटिंग शुरू हुई।
सबलगढ़ के निवाड़ी गांव में 9 बजे तक ग्रामीणों ने नहीं डाले वोट
 विधानसभा क्षेत्र सबलगढ़ की ग्राम पंचायत बरोटा के ग्राम निवाड़ी के ग्रामीणों ने मतदान शुरू होने के साथ ही मतदान का बहिष्कार कर दिया। जिसके चलते सुबह 9 बजे तक पोलिंग पर महज 4 वोटर्स ने ही मतदान किया। बहिष्कार कर रहे ग्रामीण सरपंच की करतूतों से नाराज थे, उनका कहना था कि सरपंच ने सीसी खरंजा नहीं बनवाया है, जिसके कारण उन्हें कोचड़ भरे रास्तों से गुजरना पड़ रहा है। बहिष्कार की सूचना पाकर एसडीएम सबलगढ़ वीरेंद्र कटारे वहां पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर मतदान शुरू करवाया।
मुड़ियाखेड़ा में 10 बजे के बाद शुरू हो सका मतदान
 दिमनी क्षेत्र के मुड़ियाखेड़ा गांव के पोलिंग क्रं. 84 पर सुबह 7 बजे वोटिंग शुरू होने के कुछ देर बाद ही ईवीएम मशीन

में खराबी आ गई। पोलिंग टीम ने खराबी को दूर करने का प्रयास भी किया, लेकिन नाकाम रहे। अंततः ईवीएम बदलने के बाद सुबह करीब 10 बजे मतदान शुरू हुआ।
पारा 40 पार पहुंचने से दोपहर में सूने दिखे मतदान केन्द्र
 मंगलवार को अंचल में पारे के 40 डिग्री से पार पहुंचने से गर्मी उफान पर थी। सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक मतदान करने के लिए बड़ी संख्या में वोटर मतदान केन्द्रों पर पहुंचे। जिसके बाद गर्मी के चलते मतदान केन्द्रों पर वोटर्स का पहुंचना कम हो गया। हालात यह थे कि अपराह्न 3 बजे मतदान केन्द्र सूने दिखाई दे रहे थे।

पुलिस ने भाजपा-कांग्रेस, बसपा प्रत्याशी किए नजरबंद



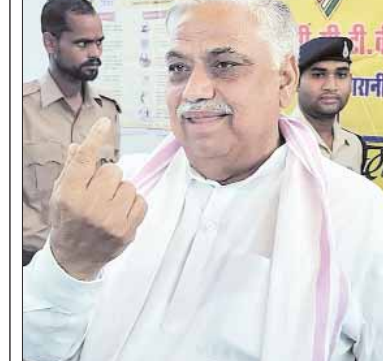
मतदान शुरू होने के बाद सुबह करीब आठ बजे एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू, भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर और बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग को बुलाकर पुलिस लाइन में नजरबंद कर लिया। यहां से दोपहर करीब दो बजे तीनों प्रत्याशियों को छोड़ा गया।

कृषि मंत्री ऐदल सिंह ने नायकपुरा में किया मतदान



मंत्र के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंधाना ने सुमावली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अपने पैतृक गांव हुदैनपुर (नायकपुरा) में मतदान किया। उन्होंने ग्रामीण मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल ने बड़ागांव में किया मतदान



भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर ने अपने गृहगांव बड़ागांव नावली स्थित मतदान केन्द्र पर मतदान किया। मतदान करने के बाद उन्होंने ग्रामीण मतदाताओं से अनिवार्य रूप से मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने की अपील की।

कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह ने तिलावली में डाला वोट



कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू ने अपने पुरतैनी गांव तिलावली के शासकीय माध्यमिक विद्यालय मतदान केन्द्र में मतदान किया। उन्होंने वोटर्स से लोकतंत्र के महापर्व में आहूति देकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान भी किया।

बसपा प्रत्याशी ने जिला पंचायत भवन में किया मतदान



बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग मतदान करने के लिए शाम करीब साढ़े चार बजे मुरैना शहर की शिक्षा नगर रोड स्थित जिला पंचायत के पुराने भवन में बनाए गए मतदान केन्द्र पर पहुंचे और वोट डाला।

जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने किया मतदान



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में गणेशपुरा पानी की टंकी के पास मिडिल स्कूल में बनाए गए मतदान केन्द्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया।
 कलेक्टर अंकित अस्थाना ने मतदान केन्द्र पर की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मतदाताओं से अपने मताधिकार के उपयोग की अपील भी की।

सीईओ जिला पंचायत ने सपत्नीक किया मतदान



मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़वाल ने शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 03 मुरैना पर पहुंचकर सपत्नीक मतदान किया। मतदान के दौरान उनकी पत्नी डॉ. अशुल ने भी मतदान किया।

नजरबंदी के मामले को लेकर मुरैना में सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा: रमेश गर्ग

बसपा कार्यकर्ताओं ने घेरी पुलिस लाइन तब पुलिस ने छोड़ा
मुरैना। मतदान शुरू होने के बाद सुबह 8 बजे से पुलिस लाइन में नजरबंद किए गए बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रमेश गर्ग को निगरानी मुक्त करने के लिए दोपहर करीब दो बजे उनके समर्थकों सहित बसपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस लाइन का घेराव किया। तब कहीं जाकर पुलिस ने उन्हें निगरानी मुक्त किया। पुलिस की निगरानी से मुक्त होने के बाद बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग ने मीडिया कर्मियों से चर्चा करते हुए कहा कि यह उनके जीवन का पहला चुनाव है। चुनाव प्रचार से वे सोमवार की शाम को फ्री हुए थे, शाम को एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने उन्हें फोन कर सुबह 7 बजे पुलिस लाइन पहुंचने को कहा था। मंगलवार की सुबह 8 बजे जब वे पुलिस लाइन पहुंचे तो उन्हें नजरबंद कर लिया गया। श्री गर्ग ने कहा कि हम व्यापारी लोग हैं, झगड़ालू प्रवृत्ति के नहीं हैं, फिर हमें नजरबंद क्यों किया गया, यह समझ से परे है। उन्होंने कहा कि उनके नजरबंद किए जाने से उनकी पूरी टीम बिखर गई। कार्यकर्ता उन्हें फोन पर फर्जी मतदान संबंधी सूचनाएं दे रहे थे, लेकिन वे अपनी टीम से संपर्क नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि बसपा प्रत्याशी की जीत को भांपकर पुलिस, प्रशासन ने नजरबंद किए जाने का यह झूठा किया है। नजरबंद किए जाने के कारण वे दोपहर बाद तक अपने मताधिकार का प्रयोग भी नहीं कर सके। श्री गर्ग ने कहा कि उनके छोटे दामाद सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे हैं, वे उनके चुनावी कैम्पेन में लीगल सेल संचाल रहे थे, नजरबंद किए जाने के मामले को वे सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे।

रजौधा के रायचंद्र पुरा में कांग्रेस समर्थकों पर हमला, 3 घायल मतदान खत्म होने से आधा घंटे पहले हुई घटना



मुरैना/अम्बाह। अम्बाह विधानसभा इसी दौरान भाजपा और कांग्रेस सोमेश सिंह पुत्र जंडेल सिंह तोमर, जंडेल सिंह पुत्र बाबू सिंह तोमर, ज्वाला सिंह पुत्र वीरेंद्र सिंह तोमर, हरीओम तोमर पुत्र वीरेंद्र सिंह तोमर ने कांग्रेस समर्थक सुभाषचंद्र कुशवाह, सुरेंद्र कुशवाह और सुनील कुशवाह पर हमला बोल दिया। अप्रत्याशित हमले में कांग्रेस समर्थक सुभाष, सुरेंद्र और सुनील गंभीर रूप से घायल हुए हैं। समाचार लिखे जाने तक नगर पुलिस द्वारा एफआईआर लिखे जाने की कार्यवाही की जा रही थी।

ई-रिक्शा यूनियन की पहल दिव्यांग, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं के लिये कारगर बनी सेवा



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 में 07 मई को मुरैना का तापमान लगभग 40 से 42 डिग्री पर रहा। इस दौरान ई-रिक्शा यूनियन द्वारा मुरैना शहर के लगभग 1200 ई-रिक्शा द्वारा मतदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रथम बार मताधिकार प्रयोग करने पर युवा मतदाता शिवानी राठौर ने व्यक्त की प्रसन्नता



मुरैना। जिले की युवा मतदाता शिवानी राठौर ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में प्रथम बार मताधिकार का प्रयोग उत्साह एवं उमंग के साथ प्रसन्नता व्यक्त करते हुए किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि मैं प्रथम बार अपनी मताधिकार का प्रयोग किया है, मुझे बहुत ही प्रसन्नता महसूस हो रही है। मैं बड़ाखर की रहने वाली हूँ, मैंने अपने माता-पिता के साथ पहली बार मतदान केन्द्र क्रमांक 89 पर वोट किया है। मैं आगे भी लोकतंत्र के इस महापर्व में ऐसे ही उमंग के साथ मतदान करना चाहती हूँ। सभी युवा वोटर मतदान अवश्य करें।

जानपद पंचायत अम्बाह के थीम आधारित 08 मतदान केन्द्र बने आदर्श, मतदाताओं के लिए बेहतर सुविधाएं



मुरैना। जिला प्रशासन मुरैना की पहल पर आनंददायक बनाने के लिए किया जाता है। ग्राम पंचायत भवन थरा पर स्थित आदर्श मतदान केन्द्र थीम आधारित आदर्श बनाया गया था। थीम आधारित मतदान केन्द्र से आशय है कि किसी विशेष विषय, सांस्कृतिक तत्व या संदेश के आधार पर सजाया और व्यवस्थित किया गया हो। इसका मुख्य उद्देश्य मतदान के अनुभव को अधिक आकर्षक, शिक्षाप्रद, प्रेरक बनाना है। इस तरह के मतदान केन्द्रों का उपयोग मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रोत्साहित करने, उनके बीच जागरूकता बढ़ाने, और चुनाव प्रक्रिया को और अधिक समावेशी व

में ककनमठ, चंबल संचुरी, संरक्षित जीवों की झांकी, हरित वन, विभिन्न वन्य जीव जंतु आदि के प्रदर्शन, मतदाता जागरूकता के लिए भी बॉल

पेंटिंग, पोस्टर, बैनर आदि के माध्यम से सुसज्जित किया गया था।

संचुरी, ईको प्रेंडली, मतदान केन्द्र क्रमांक 39 गोठ पर अंतरिक्ष आधारित थीम, मतदान केन्द्र क्रमांक 44 रानपुर पर निर्वाचन की महत्ता, वोटर सेल्फी पॉइंट, मतदान केन्द्र क्रमांक 49 दिमनी पर भारत की सैन्य क्षमताओं (थल, नौ सेना, वायु सेना का प्रदर्शन), मतदान केन्द्र क्रमांक 162 खड्डियाहार पर ककनमठ, चंबल, सिंध नदियां, मतदान केन्द्र क्रमांक 171 लखु बसई पर स्वतंत्रता से संबंधित आंदोलन, मतदान केन्द्र क्रमांक 203 तुतवास पर क्षेत्रीय फसलें सरसों, गेहूँ और मतदान केन्द्र क्रमांक 259 कोलुआ पर साज-सज्जा, सफाई से युक्त ग्रीनी इन मतदान केन्द्रों में नवीनतम तकनीक, सुरक्षा, और विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थी।

अम्बाह में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। इस दौरान अनेक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। कुछ मतदाता मतदान करने के बाद अंगुली पर लगे स्याही के निशान को

ग्वालियर: तेज गर्मी के बीच हुआ 60.97 प्रतिशत से अधिक मतदान



ग्वालियर। छूटपट्ट घटनाओं और तेज गर्मी के बीच मंगलवार को शांतिपूर्वक मतदान हुआ। लोकसभा चुनाव के तीसरे फेज में ग्वालियर लोकसभा में भी वोट डाले गये। ग्वालियर में हल्की फुल्की घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। सायं 6 बजे तक ग्वालियर में 60 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ। ग्वालियर में कांग्रेस और भाजपा में कांटे की टक्कर थी।

ग्वालियर अंचल में लोकसभा सीटों के लिए सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ था। मतदान शाम 6 बजे तक चला। ग्वालियर में 18 प्रत्याशी मैदान में हैं। लेकिन मुख्य मुकाबला कांग्रेस के प्रवीण पाठक और भाजपा के भारत सिंह कुशवाहा के बीच है। ग्वालियर लोकसभा की 8 विधानसभा में 21 लाख 54 हजार 290 मतदाता थे। जिनके लिये 1680 पोलिंग बूथ बनाये गये थे। इनमें 499 बूथ को अतिसेवेदनशील माना गया था। मतदान के दौरान पैरा मिलिट्री फेस की 8 कंपनियों के अलावा मध्यप्रदेश पुलिस के 7 हजार जवान तैनात रहे। मतदान के दौरान विनय नगर लिटिल प्लावर स्कूल में बने मतदान केंद्र में एक लड़की रितिका कुशवाहा जब वोट डालने पहुंची तो पता लगा कि उनका वोट डल चुका है। युवती ने काफ़ी देर तक बहस की, लेकिन पीठासीन अधिकारी ने



उसकी एक नहीं सुनी। जब वह बात कलेक्टर रचिका चौहान को पता लगी तो उनके हस्तक्षेप के बाद रितिका को वोट डालने दिया। दूसरा मामला, सिकंदर कंफू का है। यहां अजयपुर में बने मतदान केंद्र में रामवती कुशवाहा का वोट कोई और

डाल गया। उधर, कम्पू स्थित आयुर्वेदिक कॉलेज के मतदान केंद्र पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक की सीआरपीएफजवानों से बहस हो गई। दरअसल, जवानों ने पोलिंग बूथ के अंदर मोबाइल लेकर जा रहे

दिग्गजों ने डाला वोट

ग्वालियर में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस के दिग्गजों ने भी वोट डाल शत प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया हालांकि खुद गुना शिवपुरी से मैदान में हैं उन्होंने अपना वोट सायं को एमआई शिशु मंदिर फूलबाग में डाला। इसी प्रकार विधानसभा स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रयुक्त सिंह तोमर, नारायण सिंह कुशवाहा, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा, पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया, पूर्व मंत्री माया सिंह, भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाहा, स्थानीय सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने भी अपने-अपने मतदान केंद्रों पर वोट डाले। इसी प्रकार कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक, महापौर शोभा सिकंदरवार और उनके विधायक पति डा. सतीश सिकंदरवार, डबरा विधायक सुरेश राजे ने भी वोट डालकर मतदान का संदेश दिया।

मतदाताओं को रोक दिया था। प्रत्याशी ने उनसे कहा कि आप वोट को वापस मत लौटाइए। वोटिंग के दौरान ग्वालियर के मतदाताओं को पुरस्कार भी मिले। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी रचिका चौहान की पहल पर जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर लकी ड्रा बॉक्स रखे गए थे। इन बॉक्स में जिन मतदाताओं ने वोट डालने के बाद अपना नाम व मोबाइल फोन नंबर लिखकर पत्रियां डालीं, उनकी

पत्रियों में से दोपहर में पहला लकी ड्रा निकाला गया। लोकसभा चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी ना हो इसे रोकने के लिए मतदान केंद्रों पर पुलिस जवान व अप्सर तैनात थे। इसके साथ ही पुलिस और प्रशासन के अप्सर भी मतदान केंद्रों पर आमद देते रहे, जिससे कहीं पर भी गड़बड़ी ना हो। जो मोबाइल पार्टी बनाई गई थी वे बिना रूके लगातार भ्रमण कर पुलिस की मौजूदगी का अहसास कराती नजर आईं।

उधारी के रुपए लौटाने का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म

ग्वालियर। उधारी के रुपए लौटाने का झांसा देकर महिला को बुलाकर एक बदमाश ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना साहू धर्मशाला की है। वारदात के बाद आरोपी ने धमकी दी कि अगर मुंह खोला तो बदनाम करने के साथ ही वह उसकी जान ले लेगा। धमकी व वारदात का शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस

ने पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। सिरमरिया निवासी 30 वर्षीय महिला ने शिकायत की है कि एक माह पूर्व उसके परिचित सत्येन्द्र चौहान पुत्र नाथूराम चौहान ने उससे साठ हजार रुपए उधार लिए थे और जल्द ही लौटाने को बोला था। पूर्व परिचित होने के कारण उसने सत्येन्द्र को साठ हजार रुपए उधार दिए थे और अब जब उसने

रुपए वापस मांगे तो आरोपी ने उसे साहू धर्मशाला बुलाया कि पास ही बैंक है और जब वह धर्मशाला पहुंची तो आरोपी उसे एक कमरे में ले गया और अंदर पहुंचते ही उसे जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ गलत काम किया। वारदात की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

डॉक्टर की कार का कांच तोड़कर लैपटाप ले गये चोर

ग्वालियर। लंबे समय बाद शहर में कार का कांच तोड़कर वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह ने आमद दी है और एक डॉक्टर की कार का कांच तोड़कर उसमें रखा लैपटाप व अन्य दस्तावेज पर कर ले गए हैं। घटना कंफू थाना क्षेत्र के एमके प्लाजा की है। घटना का पता चलते ही पीडित ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। नई सड़क स्थित न्यू शांति नगर निवासी निखिल चौपड़ा पुत्र अशोक चौपड़ा डॉक्टर है और कंफू स्थित एमके प्लाजा पर उनका क्लिनिक है। बीते रोज वह अपनी आईटेन कार क्रमांक एमपी07जेडएम 7632 से क्लिनिक पहुंचे और एमके प्लाजा के बाहर कार पार्क करने के बाद क्लिनिक चले गए। कुछ देर बाद उन्हें याद आई कि उनका लैपटाप कार में रह गया है, तो ड्राइवर को कार से लैपटाप निकालने के लिए पहुंचाया। जब ड्राइवर कार के पास आया तो पता चला कि कार का राइट साइड का कांच टूटा पड़ा है और कार से लैपटाप गायब है। इसका पता चलते ही उसने डॉक्टर को सूचना दी। सूचना मिलते ही डॉक्टर वहां पर पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

श्रीलंका और फिलीपींस के डेलीगेशन ने देखी मतदान की प्रक्रिया

भोपाल। लोकसभा निर्वाचन-2024 की प्रक्रिया को देखने एवं उससे जुड़े विभिन्न चरणों की प्रक्रियाओं को समझने के लिए श्रीलंका और फिलीपींस के 11 सदस्यीय डेलीगेशन ने मंगलवार को भोपाल और विदिशा संसदीय क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया देखी। उन्होंने राज्य स्तरीय पशु चिकित्सा केन्द्र, मॉडल स्कूल टी.टी. नगर, आनंद विहार स्कूल, मॉडल आईटीआई गोविंदपुरा, रफीकगंज, धबोटी, जहांगीरपुरा, कांकरखेड़ा, भाउखेड़ा सहित अनेक मतदान केंद्रों में पहुंचकर मतदान की कार्यवाही को देखा और उसकी सिलसिलेवार जानकारी ली। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री एवं अन्य अधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल को मतदान केंद्रों के भ्रमण के दौरान संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया की चरणवार विस्तृत जानकारी दी। इवीएम, वीवीपेट, मतदान दल गठन, इलेक्शन मॉनिटरिंग, मतदान केंद्रों की सुरक्षा संबंधी व्यवस्था सहित निर्वाचन संबंधी अन्य प्रक्रियाओं से

अवगत कराया। इस दौरान संबंधित जिलों के निर्वाचन अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य इन्टरनेशनल डेलीगेशन में फिलीपींस के 'कमीशन ऑफ इलेक्शन' की 'फिलीपींस' की एसोसिएट कमिश्नर सुश्री सोकोरो बी. इंटिंग, डायरेक्टर सुश्री सेलिया बी. रोमेरो एवं एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट सुश्री लेसली एन.सी. कॉनक्लिवा तथा श्रीलंका के 'प्रेसीडेंशियल कमीशन ऑफ इन्क्वायरी टू मेक रिफॉर्मेशन ऑफ इलेक्शन लॉ रिफॉर्म' के चेयरमैन जस्टिस वीवेज प्रियसक गेराई डेप, कमीशन मेंबर श्री सुंथारम अरुमैनायाहम, कमीशन मेंबर श्री अलीसंदाराज सेनानायक, कमीशन मेंबर श्री अहमद लेब्बे मोहम्मद सलीम, कमीशन मेंबर सुश्री निमालका फर्नान्डो, कमीशन मेंबर श्री विथारानागो दीपानी सायंथा रॉडरिगो, कमीशन मेंबर श्री एलन करमाइकल वेरे तबिनायगम डेविड सहित कमीशन सेक्रेटरी श्री माधवा देवा सुरेन्द्र शामिल हैं।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने निरन्तर भ्रमण कर मतदान प्रक्रिया पर रखी नज़र



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मुरैना जिले की 06 विधानसभा क्षेत्रों में छूट-पट्ट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न हुआ। मतदान के समय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान मतदान के समय निरन्तर विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण करते रहे। इनके अलावा सेक्टर ऑफिसर, पुलिस मोबाइल वेन, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर निरन्तर

भ्रमण पर रहे। लोकसभा निर्वाचन 2024 को सम्पन्न कराने के लिये जिले की 06 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1706 मतदान केंद्रों पर 7 हजार 568 कर्मचारी लगाये गये थे। इसके साथ ही 6 विधानसभा क्षेत्रों में 172 सेक्टर ऑफिसर, 669 माईक्रो ऑब्जर्वर, क्रिकिकल मतदान केंद्रों पर पर्याप्त बल तैनात किया गया था। मतदान केंद्रों पर 2400 सीसीटीवी कैमरे लगाये गये। पुलिस मोबाइल ने हर 10-15 मिनट के अन्तराल में मतदान केंद्र पर पहुंचकर स्थिति देखी। शांतिपूर्ण ढंग से मतदान प्रक्रिया के संचालन के लिये सुरक्षा बल तैनात रहा। भ्रमण के समय सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़वाल, अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद सहित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, नायब तहसीलदार, एसडीओपी पुलिस, जनपद सीईओ सहित संबंधित विभागों के

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न होने पर जताया आभार मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 में मुरैना-श्यामपुर संसदीय क्षेत्र के लिए शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न कराने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना व पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने मतदाताओं, नागरिकों, चुनाव ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों, सुरक्षा कर्मियों, समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों, राजनैतिक दलों एवं अर्थव्यवस्था के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों की कड़ी मेहनत एवं सौंपे गये उत्तर दायित्व के ठीक से निर्वहन के कारण मतदान निर्विघ्न संपन्न हुआ। किसी क्षेत्र से अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। सभी मतदान केंद्रों में सुगमता के साथ मतदान संपन्न हुआ। उन्होंने सभी सेक्टर ऑफिसरों, पीठासीन अधिकारियों मतदान अधिकारियों तथा मतदान से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

आदर्श मतदान केंद्र सजावट को सराहा, खींची सेल्फी, बीहड़ की यादें हुई ताजा



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। लोकसभा निर्वाचन आज सम्पन्न हुआ निर्वाचन में मुख्य आकर्षण का केंद्र नगर निगम कार्यालय में आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 83 रहा। यह आदर्श मतदान केंद्र चंबल बीहड़ थीम पर स्थापित किया गया था। आदर्श मतदान केंद्र की साज-सज्जा इस प्रकार से की गई थी कि जब मतदाता मतदान करने मतदान केंद्र पर आए तो उसे ऐसा अनुभव हो कि वह चंबल के बीहड़ में आ गया है और इस

आदर्श मतदान केंद्र की साथ सज्जा भी बिल्कुल चंबल की बीहड़ों जैसी की गई थी। नगर निगम आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना द्वारा निर्देशित किया गया था कि आदर्श मतदान केंद्र को चंबल बीहड़ की थीम पर सजाया जाए, जिससे कि मतदाताओं को चंबल के बीहड़ों का अनुभव हो सके। जब आदर्श मतदान केंद्र पर अमित कुमार गुप्ता और स्वीटी गुप्ता पहुंचे तो आदर्श

मतदान केंद्र की साज-सज्जा और सजावट को देखकर कहा कि आज बीहड़ों की यादें ताजा हों। मतदाताओं ने सेल्फी खींचकर सोशल मीडिया के माध्यम से अपलोड भी किया। आदर्श मतदान केंद्र के नोडल अधिकारी रहम चौहान ने बताया कि मतदाताओं के लिए विशेष रूप से चंबल बीहड़ थीम पर आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया था, जिसकी तारीफ मतदाताओं द्वारा कर आदर्श मतदान केंद्र की साज-सज्जा सजावट की सराहना भी की गई।

DISTRICT :	GWALIOR	DATE	07.05.2024
TIME:	06 PM (07-05-2024)		
1	विधानसभा क्षेत्र का मतदान का प्रतिशत :	पुरुष :	महिला: कुल:
14	ग्वालियर ग्रामीण	67.53	61.64 64.79
15	ग्वालियर	60.31	56.87 58.68
16	ग्वालियर पूर्व	56.83	53.14 55.09
17	ग्वालियर दक्षिण	63.47	57.62 60.64
18	भितरवार	65.37	59.42 62.54
19	डबरा (अ.जा.)	69.84	62.72 66.46
	कुल योग :-	63.43	58.24 60.97
	23 करैरा (अ.जा.)	68.97	63.12 66.23
	24 पोहरी	65.65	61.42 63.67
	03 ग्वालियर	64.38	59.20 61.93

जिले में शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित ढंग से मतदान सम्पन्न

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ग्वालियर जिले में सायंकाल 6 बजे तक लगभग 60.97 प्रतिशत मतदान का अनुमान

ग्वालियर। लोकसभा आम निर्वाचन कार्यक्रम के तहत ग्वालियर जिले में मंगलवार 7 मई को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। 03-ग्वालियर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में ग्वालियर जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्र और शिवपुरी जिले के करैरा (अ.जा.) व पोहरी विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। मतदान समाप्ति के बाद मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ग्वालियर जिले में सायंकाल 6 बजे तक मतदान का प्रतिशत लगभग

60.97 रहा है, जबकि ग्वालियर संसदीय क्षेत्र का मतदान प्रतिशत सायंकाल 6 बजे तक लगभग 61.93 अनुमानित है। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों में डाले गए वोटों की वास्तविक जानकारी मतदान दलों से प्राप्त होने के बाद मतदान का सही-सही प्रतिशत सामने आयेगा। सायंकाल 6 बजे तक ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में शामिल ग्वालियर जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण में 64.79 प्रतिशत मतदान होने का

अनुमान है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर का मतदान प्रतिशत 58.68, ग्वालियर पूर्व का मतदान प्रतिशत 55.09, ग्वालियर दक्षिण का मतदान प्रतिशत 60.64, भितरवार का मतदान प्रतिशत 62.54 एवं डबरा (अ.जा.) में लगभग 66.46 प्रतिशत मतदान अनुमानित है। इसी प्रकार शिवपुरी जिले के करैरा विधानसभा क्षेत्र में सायंकाल 6 बजे तक 66.23 एवं पोहरी में 63.67 प्रतिशत मतदान होने का अनुमान है।

ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में सायंकाल 6 बजे विधानसभा क्षेत्र वार मतदान का प्रतिशत

विधानसभा क्षेत्र का मतदान का प्रतिशत	पुरुष	महिला	कुल
14-ग्वालियर ग्रामीण	67.53	61.64	64.79
15-ग्वालियर	60.31	56.87	58.68
16-ग्वालियर पूर्व	56.83	53.14	55.09
17-ग्वालियर दक्षिण	63.47	57.62	60.64
18-भितरवार	65.37	59.42	62.54
19-डबरा (अ.जा.)	69.84	62.72	66.46
कुल योग ग्वालियर जिला	63.43	58.24	60.97
23-करैरा (अ.जा.)	68.97	63.12	66.23
24-पोहरी	65.65	61.42	63.67
कुल योग 03 ग्वालियर संसदीय क्षेत्र	64.38	59.20	61.93